Title Code- MPHIN38266 | वर्ष -01 | अंक 11 | उज्जैन, सोमवार, 15 जनवरी 2024 | पृष्ठ - 08 | मूल्य - 5 रुपए | हिन्दी मासिक

सिंहस्थ लोक

सनातन संस्कृति का संवाहक | हिन्दी मासिक

श्रीरामचंद्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणं।
नवकंज लोचन, कंजमुख कर, कंज पद कंजारुणं।।

अयोध्या में शुरु रामकथा के साथ प्राण-प्रतिष्ठा

महामहोत्सव

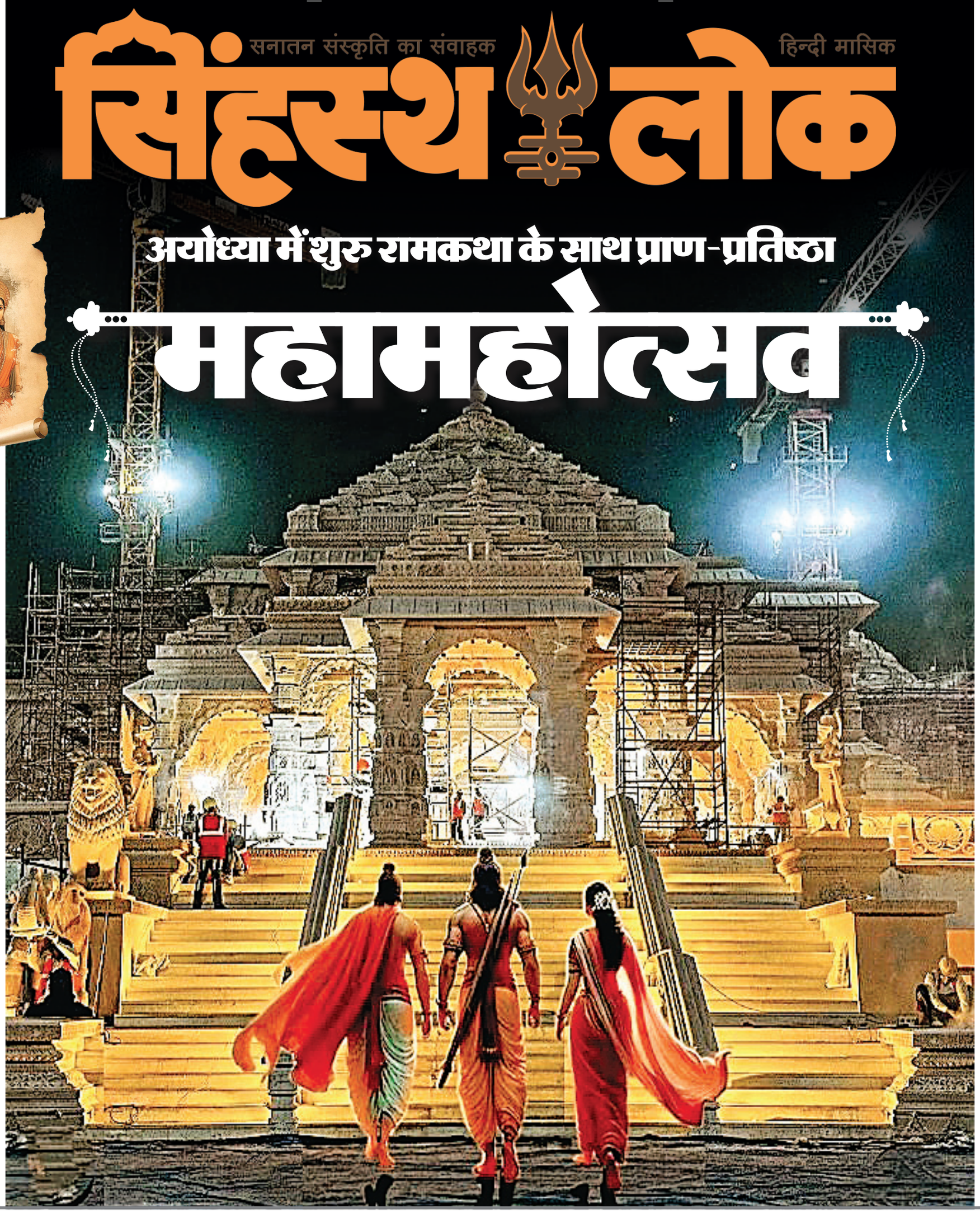

सिंहस्थ लोक

सूर्य देवता के उत्तरायण में जाने के साथ ही 16 जनवरी से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए जरूरी अनुष्ठानों की शुरुआत हो जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का दिन जैसे - जैसे नजदीक आ रहा है, अयोध्या सहित समूचे देश में उत्साह चरम की ओर पहुंचने लगा है। इसीलिए प्रतिदिन रामधाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा 16 जनवरी से धार्मिक आयोजन की शृंखला शुरू हो जाएगी, जो 22 की दोपहर बाद मृगशिरा नक्षत्र में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा तक जारी रहेगी। इससे पहले पूरे माहौल को राममय बनाने के लिए संस्कृति विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। 8 से राम कथा का दौर शुरू होगा तो वह होली यानी 24 मार्च तक चलेगा। इस बीच विभाग द्वारा रामोत्सव के तहत अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं।

अयोध्या धाम में इनके आयोजन प्रस्तावित

संस्कृति विभाग द्वारा राम कथा पार्क में 8 से 14 जनवरी तक चिन्मयानंद बापू, 30 जनवरी से 7 फरवरी तक जगतगुरु रामदिनेशाचार्य इसके बाद देवकीनंदन ठाकुर की रामकथा प्रस्तावित है। वहीं पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित बड़ा भक्तमाल की बगिया में 14 से 22 जनवरी तक पद्मविभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य की कथा होगी। इसी आयोजन में हेमा मालिनी, कन्हैया मित्तल, मनोज मुंतशिर शुक्ला, अनूप जलोटा, कुमार विश्वास, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव और मालिनी अवस्थी के शामिल होने की बात है। इसी कार्यक्रम स्थल के ठीक सामने बड़ी छावनी प्रांगण में श्री राम महायज्ञ का आयोजन 10 से 18 फरवरी तक होगा। 25 से 31 जनवरी तक उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली में श्रीमद् भागवत कथा पुंडरीक गोस्वामी जी कहेंगे।

रामनगरी में 25 पौराणिक जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम

रामनगरी में होने जा रहे रामोत्सव के लिए प्रदेश के संस्कृति विभाग ने भी व्यापक तैयारियां की हैं। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध परंपरा को और निखारकर पूरे प्रदेश को राममय किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बनाए जाने वाले मंच भी रामायण से जुड़े प्रसंगों पर होंगे। प्रदेश सरकार प्रतिदिन उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन व नवोदित 500 प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराएगी। साथ ही रामनगरी के कई प्रमुख स्थानों, 25 पौराणिक स्थलों-चौराहों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाएंगे।

सामूहिक शंख वादन का बनेगा रिकॉर्ड

मान्यताओं के अनुसार शुभ कार्य से पहले शंख बजाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार श्रीराम जन्मभूमि में 1111 शंखों का वादन करते हुए विश्व रिकॉर्ड किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए एनसीजेडसीसी व आईजीएनसीए की मदद ली जाएगी। सामूहिक सरयू आरती व सौष्ठव कलाओं के प्रदर्शन का विश्व रिकॉर्ड बनेगा।

सीएम डॉ. यादव ने रामलला के लिए बनाए लड्डु

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकालेश्वर प्रबंध समिति की चिंतामन स्थित लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई पहुंचकर अयोध्या के लिए बन रहे लड्डुओं की निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं भी लड्डू बनाए और उनकी पैकिंग भी की। लड्डू बना रहे कारीगरों से बातचीत भी की।

अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर महाकालेश्वर प्रबंध समिति द्वारा 5 लाख लड्डू प्रसाद स्वरूप अयोध्या भेजे जा रहे हैं, इनमें से 4 लाख लड्डू बन चुके हैं तथा शेष एक लाख लड्डू बनाने का कार्य निरंतर जारी है। प्रबंध समिति ने जानकारी दी कि लड्डू प्रसाद बेसन, रवा, शुद्ध घी और सूखे मेवों से बनाया जा रहा है। लड्डू प्रसाद निर्माण के लिए अतिरिक्त कारीगरों व कर्मचारियों को लगाया गया है। लड्डुओं को पैकेट में पैक कर अयोध्या भेजा जाएगा, एक लड्डू का वजन लगभग 50 ग्राम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को एक बार फिर दोहराया कि कांग्रेस को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर अपना रुख बदलने के बारे में विचार करना चाहिए। डॉ. यादव ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि वे आगामी 22 तारीख को चित्रकूट में रहेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर की वर्षों पुरानी लंबित मांग थी। हिंदू मुसलमानों की एकता का इससे बड़ा उदाहरण कोई और नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि 50 साल तक एक दूसरे के खिलाफ मुकदमा हुआ, पर अब वे मुस्लिम भाई भी हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान कर रहे हैं, ऐसे में कांग्रेस को भी अपना रुख बदलना चाहिए। पार्टी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हो, इस बारे में कांग्रेस को विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 तारीख को राज्य में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। आस्था के पर्व पर व्यसन की दुकान नहीं चालू होनी चाहिए।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में

उज्जैन श्री महाकाल मंदिर से 5 लाख लड्डू भेजे जाएंगे

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे। बाबा महाकाल का यह प्रसाद अयोध्या जाएगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में कहा कि हमारा पुराना सपना पूरा हो रहा है, इसमें मध्य प्रदेश कैसे पीछे रह सकता है। महाकाल मंदिर उज्जैन से 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश दिए है कि 22 तारीख के बाद जब जब जिन राज्यों को तारीख दी जाएगी उसके अनुसार हम जाएंगे। दो हजार साल पहले भी सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या में में राम का मंदिर बनवाया था। उसी मंदिर को पांच सौ साल पहले बाबर ने तोड़ा है। जब दोबारा मंदिर का निर्माण हो रहा है तो इसमें मध्य प्रदेश कैसे पीछे रह सकता है। हम विक्रमादित्य की नगरी से श्री महाकाल मंदिर उज्जैन से 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन प्रसंग पर 5 लाख लड्डू भेजे जायेंगे। बाबा महाकाल का प्रसाद अयोध्या जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती की सभी को बधाई देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंदौर को स्वच्छता में नंबर वन का पुरस्कार सातवीं बार मिला है। मध्य प्रदेश स्वच्छता में दूसरे स्थान पर आया है। इसके लिए सभी प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि 10 से 15 जनवरी तक महिला सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं। शनिवार को शहडोल में आदिवासी भाई बहनों के साथ कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा हूं।

प्रतिमा फाइनल

51 इंच की खड़ी प्रतिमा कर्नाटक के नीले पत्थर से की तैयार

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की प्रतिमा का चयन रविवार को कर लिया गया। 29 दिसंबर (शुक्रवार) को हुई बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने 3 प्रतिमाओं पर अपना मत लिखित रूप से महासचिव चंपत राय को दे दिया था। चंपत राय ने बताया कि गर्भगृह में रामलला की 51 इंच लंबी प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसमें रामलला 5 साल के बाल स्वरूप में होंगे। प्रतिमा में रामलला को खड़े हुए दिखाया गया है। प्रतिमा ऐसी है जो राजा का पुत्र लगे और विष्णु का अवतार लगे। गर्भगृह में रामलला कमल के फूल पर विराजमान होंगे। कमल के फूल के साथ उनकी लंबाई करीब 8 फीट होगी।

नीले पत्थर की प्रतिमा का चयन : सूत्रों की मानें तो नीले पत्थर से रामलला की प्रतिमा तैयार की गई है। मूर्तिकार योगीराज की बनाई प्रतिमा का चयन किया गया है। बताया जा रहा है कि रामलला की तीन प्रतिमाओं का निर्माण 3 मूर्तिकारों गणेश भट्ट, योगीराज और सत्यनारायण पांडेय ने तीन पत्थरों से किया है।

इसमें सत्यनारायण पांडेय की प्रतिमा श्वेत संगमरमर की है। जबकि शेष दोनों प्रतिमाएं कर्नाटक के नीले पत्थर की हैं। इसमें गणेश भट्ट की प्रतिमा दक्षिण भारत की शैली में बनी थी। इस कारण अरुण योगीराज की प्रतिमा का चयन किया गया है।

घर-घर बांटा जाएगा

आज अयोध्या से होगी पूजित अक्षत वितरण की शुरुआत

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक व अद्भुत बनाने के लिए देश के पांच लाख गांव में पूजित अक्षत वितरण की शुरुआत आज अयोध्या से होगी। अयोध्या के मातगैड़ स्थित मलिन बस्ती में पूजित अक्षत वितरण के लिए नगर प्रमुखों की दी जाएगी। इसी के साथ गांव-गांव, घर-घर में अक्षत वितरण कर 22 जनवरी को उत्सव मनाने की अपील की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय संघ व विहिप के पदाधिकारियों की मौजूदगी में समारोह पूर्वक इस अभियान की शुरुआत करेंगे। वितरण के लिए अक्षत की एक थैली बनाई गई है। इस पर मुहर भी लगाई गई है। वितरण के दौरान इस थैली के साथ निवेदन पत्रक भी दिया जाएगा। पत्रक में 22 जनवरी को अपने आसपास के मठ-मंदिरों में उत्सव, भजन, कीर्तन, हनुमानचालीसा, सुंदरकांड पाठ, आरती कर प्रसाद वितरण की अपील की जाएगी। शाम को घर पर कम से कम पांच दीप जलाकर दीपोत्सव मनाने का आह्वान भी किया जाएगा। अक्षत वितरण एक जनवरी से शुरू होकर 15 जनवरी तक चलेगा। वहीं रविवार को सावरकर नगर समन्वय समिति की ओर से पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा व श्री राम दरबार झांकी यात्रा निकाली गई।

सामाजिक समरसता

जाति नहीं, योग्यता से हुआ राम मंदिर के पुजारियों का चयन

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

नगरी भगवान राम की है, संदेश भी आदर्श और सामाजिक समरसता का होगा। रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही पुजारियों से जुड़े नए प्रतिमान गढ़े जाएंगे। राममंदिर के लिए पूरे देश से चुने गए 24 पुजारी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इनमें से दो अनुसूचित जाति (एससी) व एक पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं।

मंदिर के विग्रहों पर पूजन के लिए राममंदिर के महंत मिथिलेश नंदिनी शरण और महंत सत्यनारायण दास पौरोहित्य व कर्मकांड का प्रशिक्षण दे रहे हैं। हालांकि पहली बार नहीं है, जब किसी गैर ब्राह्मण को पुजारी नियुक्त किया गया है। राममंदिर में इसके पूर्व में मुख्य पुजारी अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। दक्षिण भारत के मंदिरों की बात करें। तो 70 फीसदी पुजारी गैर ब्राह्मण हैं। शैव परंपरा के अखाड़ों में भी गैर ब्राह्मणों का ही वर्चस्व है। पुजारियों का चयन सिर्फ योग्यता के आधार पर किया गया है। स्वामी रामानंद ने कहा था जाति पाति पूछे न कोई, हरि का भजे सो हरि का होई... प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही समाज को भी एक नया संदेश देने के लिए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने यह पहल की है।

कठिन प्रशिक्षण...मोबाइल पर भी रोक : सभी पुजारियों को रामानंदी परंपरा के अनुसार तीन महीने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान ये युवा गुरुकुल के नियमों का पालन कर रहे हैं। इनमें से न तो कोई मोबाइल का इस्तेमाल कर सकता है और न ही किसी बाहरी व्यक्ति से कोई संपर्क कर सकता है।

हनुमानजी के वैदिक ध्यान मंत्र समेत 14 सवालों पर चयन: नवंबर में सभी 24 पुजारियों का चयन 14 सवालों की बाधा पार करने के बाद हुआ। तीन चरणों के साक्षात्कार के बाद 3240 अभ्यर्थियों में से 25 को प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया। बाद में एक अभ्यर्थी आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने नाम वापस ले लिया। आचार्य शास्त्री के अनुसार, अंतिम दौर के तीन सवाल बेहद कठिन थे। हनुमानजी का वैदिक ध्यान मंत्र, सीता ध्यान मंत्र और भरतजी का ध्यान मंत्र। सामान्यतः लोगों को इसका ध्यान नहीं रहता।

अयोध्या व राम मंदिर की सुरक्षा में **AI टेक्नोलॉजी जोड़ने की तैयारी**

खरीदे जा रहे अत्याधुनिक उपकरण

अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान अचूक सुरक्षा घेरा तैयार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग किए जाएगा और इसतको लेकर सभी तैयारी होनी है। एआई टेक्नोलॉजी के जरिये अयोध्या में सभी प्रमुख स्थलों पर आने-जाने वाले लोगों की गहनता से निगरानी की जा सकेगी। आईबी रॉ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से अयोध्या में पायलेट प्रोजेक्ट शुरु होगा।

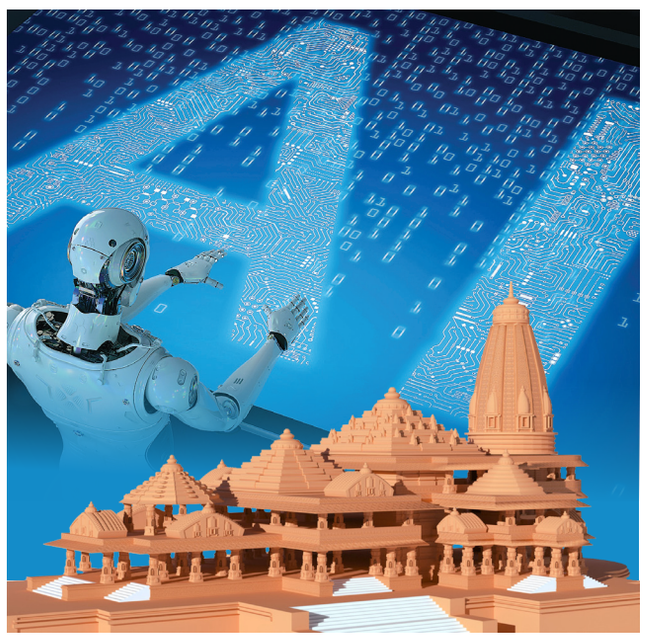

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान अचूक सुरक्षा घेरा तैयार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग किए जाने की भी तैयारी है। इसके लिए कई कंपनियों से वार्ता चल रही है।

एआई के जरिये अयोध्या में सभी प्रमुख स्थलों पर आने-जाने वाले लोगों की गहनता से निगरानी की जा सकेगी। सूत्रों का कहना है कि आइबी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से अयोध्या में इसके पायलेट प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी।

पुलिस के डाटाबेस में अपराधियों की जानकारी

अयोध्या में आने वाले दिनों में आगंतुकों की संख्या में बढ़ोतरी होनी है। यही वजह है कि सुरक्षा-प्रबंधों की चुनौतियों को देखते हुए एआई की दिशा में भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं। ताकि प्राण प्रतिष्ठा समारोह व उसके बाद अयोध्या के हर हिस्से में निगरानी के साथ ही पुलिस के डाटाबेस में मौजूद अपराधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी।

खरीदे गए हैं अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण

एआई के माध्यम से अयोध्या में आने वाले सभी लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना संभव होगा। यह भी देखा जा रहा है कि ऐसा प्रबंध हो, जिससे किसी एक स्थान पर बार-बार आवाजाही करने वाले व्यक्ति को भी चिह्नित किया जा सके। उसे लेकर पुलिस को अलर्ट मिल सके।

शासन अयोध्या में अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के लिए 90 करोड़ रुपये दे चुका है, जिससे स्कैनर, ड्रोन व अन्य उपकरणों की खरीद की जा रही है। अयोध्या में 22 जनवरी को सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराने के लिए अतिरिक्त आईपीएस अधिकारियों की भी तैनाती की जाएगी।

राम लला के लिए ससुराल से आए 5000 उपहार

जमाई राजा श्रीराम के भव्य मंदिर की खुशी में झूम उठे जनकपुरवासी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

ससुराल जनकपुर से दामाद श्रीराम के लिए भारी संख्या में उपहार शनिवार को अयोध्या पहुंचे तो भारत-नेपाल के बीच त्रेतायुगीन रिश्तों की डोर और भी मजबूत होती दिखी। मिथिला का कण-कण खिला, जमाई राजा राम मिला... मिथिला नगरिया निहाल सखियां, चारों दूल्हा में बड़का कमाल सखियां...की धुन से रामनगरी गूंज उठी। 40 कारों और सात बसों-ट्रकों से 581 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद अपने रामलला के लिए भार लेकर पहुंचे ससुरालियों के चेहरों की रौनक देखते ही बन रही थी

शनिवार को माता सीता की जन्मस्थली से उनकी ससुराल में भार लेकर नेपाल से श्रद्धालुओं का काफिला पहुंचा। यात्रा वैसे तो तीन हजार थाल लेकर आरंभ हुई थी, लेकिन अयोध्या पहुंचते-पहुंचते इसकी संख्या पांच हजार से ज्यादा हो गई। जानकी मंदिर के छोटे महंत राम रोशन दास के नेतृत्व में तीन ट्रक में भार का सामान लेकर करीब आठ सौ श्रद्धालु आए हैं। अपने पाहुन (दामाद) और अपनी दीदी के लिए भार लेकर अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं के चेहरे की चमक देखते ही बन रही थी। अपने दामाद के घर पहुंच कर जनकपुरवासियों ने कारसेवकपुरम में शादी-ब्याह में होने वाले सोहर गीत पर नृत्य भी किया। जानकी मन्दिर के तरफ से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भार समर्पण किया गया। कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हरिश्चंद्र यादव ने बताया कि हमारे दामाद भगवान राम का नया घर तैयार हो रहा है। रस्मों के अनुसार जब दामाद का घर तैयार हो जाता है तो उनकी ससुराल से भार आता है। प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान होने जा रहे हैं।

महंत बोले- ऐसे मौके पर ससुराल पक्ष से भेंट आती है, तो वह स्मरणीय है

उपहार में आभूषण कपड़े और मिष्ठान

■ प्रभु राम के भव्य महल में विराजमान होने से पहले उनकी ससुराल से आए भार में अलग-अलग प्रकार के पकवान और आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा कपड़े और तरह-तरह के पांच हजार से भी ज्यादा उपहार हैं।

■ उपहार लेकर पहुंचीं बिंदु ठाकुर ने बताया कि जब वे जनकपुर से निकलीं तो उनकी संख्या पांच सौ के करीब थी। अयोध्या पहुंचते-पहुंचते यह संख्या आठ सौ हो गई।

■ रास्ते में जगह-जगह रंगोली बनाई गई थी, लोग पुष्पवर्षा कर रहे थे। अपनी क्षमता व भाव के अनुसार रामलला के लिए उपहार भी दे रहे थे। हर कोई रामलला के लिए कुछ न कुछ अर्पित करना चाह रहा है।

रामलला दरबार में हाजिरी

■ जनकपुर के मेयर मोहन शाह और जानकी मंदिर जनकपुर के महंत रामतपेश्वर दास के साथ जनकपुरवासियों के समूह ने शनिवार को रामलला दरबार में हाजिरी लगाई। पहला भार उन्हें ही अर्पित किया गया। सभी उपहारों को श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया गया।

एक संधि से नेपाल में गया था जनकपुर

■ नेपाल का जनकपुर बिहार के दरभंगा से 40 किमी दूर है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार माता सीता का जन्म जनकपुर में ही हुआ था। वर्ष 1816 में नेपाली शासकों और ईस्ट इंडिया कंपनी में हुई सुगौली संधि के बाद मिथिला राज्य का उत्तरी भाग नेपाल में चला गया। इसी में जनकपुर है। जनकपुर वही स्थान है, जहां देवी सीता राजा जनक को खेत में हल चलाते वक्त मिली थीं।

अभियान की शुरुआत

65 बस्तियों व 544 मोहल्लों में पीले चावल देकर श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का देंगे निमंत्रण

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के लिए उज्जैन की 64 बस्तियों और 544 मोहल्लों में घर-घर जाकर पूजित अक्षत (पीले चावल) देकर निमंत्रण दिया जाएगा। इसके लिए सोमवार से अभियान की शुरुआत हो गई, जो 15 जनवरी तक चलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक घर-घर जाकर निमंत्रण देंगे।

प्रत्येक नगर को दो-दो कलश : आरएसएस के ओजस व्यास ने बताया कि प्रांत से उज्जैन महानगर को 14 पूजित अक्षत कलश प्राप्त हुए थे। सभी सात नगर में से प्रत्येक नगर को दो-दो कलश दिए गए। पूजित अक्षत को निमंत्रण के तौर पर सभी सात नगर की बस्तियों और मोहल्लों में घर- घर जाकर वितरित किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रत्येक नगर में संघ के स्वयंसेवकों की टोली बनाई गई है, जो 15 जनवरी तक उज्जैन महानगर की 65 बस्तियों और 544 मोहल्लों में घर-घर जाकर पूजित अक्षत (पीले चावल) देकर निमंत्रित करेंगे।

कलश यात्रा निकाली : संघ के अमोल जोशी ने बताया कि सोमवार को कालिदास नगर में पूजित अक्षत कलश यात्रा निकाली गई। महावीर बाग स्थित शिव मंदिर से हनुमान चालीसा पाठ के बाद शुरू हुई कलश यात्रा में स्वयंसेवक, मातृशक्ति और समाजजन शामिल हुए। अब अक्षत को घर- घर जाकर वितरित किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के भाव जागरण के लिए 21 जनवरी तक प्रतिदिन प्रभात फेरियां निकाली जाएगी।

प्राण प्रतिष्ठा का समय

विदेशों में भी राममंदिर को लेकर उत्साह, टाइम्स स्क्वायर पर होगा प्राण-प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण

नई दिल्ली

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देश में ही नहीं विदेश में भी होगा। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर भी इसका सीधा प्रसारण होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसारण विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों में भी किया जाएगा। इस अवसर पर पीएम मोदी रामभक्तों को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी समारोह की तैयारियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और उन्होंने उन अनुष्ठानों और नियमों के बारे में भी विस्तृत जानकारी मांगी है जिनका उन्हें पालन करना आवश्यक है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकंड का शुभ मुहूर्त निकाला गया है। ये समय 22 जनवरी 2024 को 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक होगा। मंदिर की लंबाई (पूर्व से पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है। यह मंदिर तीन मंजिला है, जिसकी प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊंची है। इसमें कुल 392 खंभे और 44 दरवाजे हैं।

तीन मंडपों में साधु-संतों के बैठने की होगी व्यवस्था

21 को नए मंदिर में शिफ्ट होगी रामलला की मूर्ति

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि अस्थायी मंदिर में विराजमान रामलला 21 जनवरी को नए मंदिर में पहुंच जाएंगे। इस दिन भक्तों को दर्शन नहीं मिल पाएंगे। इसकी सूचना ट्रस्ट की ओर से भक्तों को दी जाएगी। अचल मूर्ति को सोने के सिंहासन पर कमल के आसन पर प्रतिष्ठित किया जाएगा। इसके ठीक सामने सोने के सिंहासन पर विराजमान रामलला चारों भाइयों के साथ विराजित रहेंगे। रोजाना दोनों मूर्तियों की पूजा होगी। रामलला पंचकोसी परिक्रमा करेंगे। प्रमुख मंदिरों के दर्शन भी करेंगे। विभिन्न नदियों के जल से स्नान कराया जाएगा। यह स्नान सरयू तट पर होगा या फिर मंदिर में, यह तय किया जाना है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि पूजा नियम के जो भी अनुशासन हैं वह मानेंगे। यदि उन्हें व्रत रखने को कहा जाएगा तो व्रत भी रहेंगे। मंदिर में पांच मंडप हैं। तीन मंडपों में साधु-संतों के बैठने की व्यवस्था होगी। दो मंडप में कुर्सी लगाई जाएगी। परकोटा के प्रवेश द्वार पर खाली स्थान पर करीब सात हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। गर्भगृह में पूजन के बाद पीएम जैसे ही बाहर निकलेंगे वह अतिथियों से मुखातिब होंगे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले हनुमानगढ़ी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। परिसर की निगरानी 25 सीसीटीवी कैमरों से हो रही है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की अब चेकिंग भी होने लगी है। पुरुष व महिला श्रद्धालुओं को अलग-अलग कतार में दर्शन कराया जा रहा है। हनुमानगढ़ी के प्रवेश द्वार पर जांच के लिए आधुनिक मशीनें भी लगाई गई हैं। सिविल पुलिस के साथ पीएसी सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ का सर्वाधिक दवाब सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में रहता है। अयोध्या में हनुमान जी राजा के रूप में पूजे जाते हैं, इसलिए यहां जो आता है सबसे पहले हनुमंतलला के दरबार में हाजिरी लगाता है।

श्रीराम की एक झलक पाने को देशभर के श्रद्धालुओं के साथ अब विदेशी मेहमान भी पहुंचने लगे हैं। ये मेहमान उन देशों से आ रहे हैं, जिनका नाम तक स्थानीय लोगों को इंटरनेट पर खोजना पड़ रहा है। ऐसे में इसे श्रीराम का चमत्कार समझा जाए या विश्व पटल पर युगों से विद्यमान उनके यश का प्रमाण। सात समंदर पार कर लोग उन्हें प्रणाम करने धाम तक आ रहे हैं। ये हाल तब है जब भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा को अभी 14 दिन शेष हैं।

रामनगरी के लता चौक पर रविवार को 15 युवा विदेशी मेहमानों के पहुंचने पर लोगों ने जोरदार स्वागत किया। जय श्री राम के नारे लगने लगे, जिसे सुनकर मेहमान भी खुद को जयकारे लगाने से रोक नहीं पाए। सेल्फी लेने वालों की भी होड़ मच गई। इतना ही नहीं, वहां चंदन लगाने के लिए खड़े लोगों ने भी बिना देरी किए मेहमानों के माथे पर रामनाम अंकित कर दिया। उस समूह में सीसियस नाम के युवा ने बताया कि सभी यूरोप के लिथुआनिया देश से प्रभु के दर्शन करने आए हैं।

सीएम मोहन यादव ने किया स्ट्रीट फूड हब 'प्रसादम' और 'अवंतिका हाट बाजार' का शुभारंभ

'प्रसादम' देश का पहला हेल्दी-हाईजीनिक फूड स्ट्रीट

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

श्री महाकाल लोक में देश के पहले हेल्दी और हाईजीनिक फूड स्ट्रीट 'प्रसादम' फूड स्ट्रीट को 1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इसके बाद देशभर में 100 स्थानों पर यह स्ट्रीट खोले जाएंगे। यहां समोसा-कचौड़ी और जंक फूड के साथ प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। फरवरी के प्रथम सप्ताह में इसे पूरी तरह शुरू कर दिया जाएगा। प्रसादम में आरओ वाटर से भोजन बनेगा। वेंडर्स को खाना बनाने, सर्व करने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

श्री महाकाल लोक के नीलकंठ द्वार के पास बनी पार्किंग की छत पर इस फूड स्ट्रीट में 150 से 200 स्क्वायर फीट की कुल 17 दुकानें हैं। इन सभी दुकानों का टेंडर होना बाकी है। नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि इसमें ईट राइट फूड के सभी नियमों को ध्यान में रखा जाएगा। प्रसादम में अलग-अलग फूड स्टॉल होंगे, जहां उज्जैन के स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु ले सकेंगे।

फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स पर सिर्फ 10 रुपए में मिलावट की जांच

प्रदेश सरकार की नई योजना के तहत अबफूड सेफ्टी ऑन व्हील्स नाम की मोबाइल वैन पर सिर्फ 10 रुपए में मिलावट की जांच कराई जा सकेगी। सीएम डॉ. मोहन यादव लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान इस वैन का भी लोकार्पण करेंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार वैन के माध्यम से लोगों को मिलावट के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। पहले उज्जैन संभाग में इस तरह की केवल एक वैन थी, लेकिन अब दो हो गई हैं।

मोटे अनाज से बने व्यंजन को मिलेगा बढ़ावा

प्रसादम स्ट्रीट फूड को हाइजीनिक बनाने के लिए इसे एक मॉडल की तरह दो दिन चलाएंगे। दो दिन बाद शॉप का अलॉटमेंट होगा। लोगों को हाई क्वालिटी भोजन मिलेगा। मोटे अनाज के उत्पादों में राजगिरा, सनवा, कुट्टू, रागी, कांगनी, कोदों, समा, बाजरा, चना, ज्वार से बने व्यंजन मिल सकेंगे।

कोहरे में फंसा केंद्रीय मंत्री का प्लेन, उज्जैन की जगह इंदौर पहुंचे

उज्जैन में देश की पहली हेल्दी फूड सेफ्टी रोड स्ट्रीट प्रसादम का लोकार्पण करने उज्जैन के आसमान पर आए केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का प्लेन कोहरे में फंस गया। देवास रोड स्थित दताना हवाईपट्टी पर दो तीन चक्कर लगाने के बाद उनका प्लेन इंदौर ले जाया गया। जहां से वे सड़क मार्ग द्वारा उज्जैन आए।

समोसा-कचौड़ी, जंक फूड पूरी तरह प्रतिबंध

उज्जैन के श्री महाकाल लोक में देश के पहले हेल्दी और हाईजीनिक फूड स्ट्रीट 'प्रसादम' का लोकार्पण रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस फूड स्ट्रीट को 1 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी साथ रहे।

खाना बनाने में RO वाटर का इस्तेमाल होगा

उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि यहां आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) वाटर से खाना बनाया जाएगा। पीने के लिए भी यही पानी इस्तेमाल होगा। खाना बनाने वाले वेंडर को हाथों में ग्लब्स, सिर पर टोपी और एप्रिन पहनकर रहना होगा। वर्कर और वेंडरों का मेडिकल टेस्ट होने के बाद ही काम करने की अनुमति मिलेगी। कचरा डिस्पोस करने की जिम्मेदारी दुकानदारों की होगी। 'प्रसादम' के लोकार्पण के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मांडविया 218.76 करोड़ रुपए के 187 कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया।

सभी वेंडर को FSSAI ट्रेनिंग देगा

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के प्रबंधक कुमार विकास ने बताया कि 'प्रसादम' में मोटे अनाज से बने पकवान को बढ़ावा दिया जाएगा। FSSAI की तरफ से वेंडर्स को फूड हैंडलिंग ट्रेनिंग दी जाएगी। फूड सेफ्टी ऑन व्हील गाड़ी सप्ताह में एक बार प्रसादम आकर यहां बनने वाले भोजन और खाना बनाने, सर्व करने से लेकर कचरे का प्रबंधन करने की भी ट्रेनिंग के तरीके की जांच करेगी। इसमें भारत सरकार द्वारा तय मापदंडों को देखा जाएगा। समय-समय पर वर्करों की ट्रेनिंग भी होगी। यह टीम औचक निरीक्षण भी करेगी। अगर कोई व्यक्ति चाहे तो कॉल कर जांच करा सकेगा।

प्रसादम की खासियत

यह प्रसादम 1 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से फूड एंड सेफ्टी स्टैण्डर्ड अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के 'क्लीन स्ट्रीट फूड हब' कार्यक्रम के अंतर्गत उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा श्री महाकाल महालोक के नीलकंठ वन परिसर और अवंतिका हाट के बीच विकसित किया गया है. इसमें 17 दुकानों का निर्माण कर एक स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनाया गया है. यहां श्रद्धालुओं के लिये पार्किंग एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी. महाकाल लोक परिसर में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए महाकाल लोक परिसर, नीलकंठ द्वार पर औसतन प्रतिदिन 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का संचालन किया जाएगा जिसमें आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संतों को दिया सिंहस्थ का न्यौता

संत समागम... सीएम को मां गंगा की प्रतिमा और गंगा कलश भेंट किया

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन सीएम डॉ. मोहन यादव ने देवभूमि हरिद्वार में आयोजित संत समागम कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ो संतों व धर्मालुजनों को सिंहस्थ 2028 में आने का न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि हरिद्वार का कुंभ भी अपने आप में अद्भुत है, मप्र सरकार भी आगामी मेले को दिव्य व अलौकिक रूप में आयोजित करेगी इसके लिए पूरी सरकार प्रतिबद्ध है। इस दौरान अभा अखाड़ा परिषद एवं श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी की ओर से सीएम को 'सनातन भूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें मां गंगा की प्रतिमा और गंगा कलश भेंट किया गया।

इसके पूर्व इसके पूर्व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज की ओर से जूना अखाड़ा के सचिव महेश पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री को चादर भेंट की। सीएम ने उपस्थित महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद गिरि महाराज, जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वरानंद आश्रम, महामंडलेश्वर हरिचेतनआनंद महाराज, महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज, जूना अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, श्रीमहंत शैलेंद्र गिरी महाराज, कपिलमुनि महाराज सहित 13 अखाड़े के संत मौजूद थे। संचालन परिषद के समन्वयक डॉ. राहुल कटारिया ने किया। आभार अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता गोविंद सोलंकी ने माना।

मुख्यमंत्री पहुंचे वाल्मीकिधाम

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

सीएम मोहन यादव रविवार सुबह सबसे पहले वाल्मिकीधाम पहुंचे और समाधि के दर्शन कर संत बालयोगी उमेशनाथ जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे भर्तहरि गुफा पहुंचे, जहां गादीपति महंत रामनाथ जी ने उनका सम्मान किया। ब्राह्मण बटुको ने स्वस्तिवाचन किया। गुफा में ढोल धमाकों के साथ सीएम का स्वागत किया गया। सीएम ने यहां दर्शन पूजन किया। मुख्यमंत्री ने गुफा में गौमाताओं को चारा भी खिलाया।

मकर संक्रांति

5001 पतंगों से सजे 10 भुजा वाले गणेशजी

उज्जैन के इस मंदिर का श्रृंगार देखने उमड़े भक्त

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन के चक्रथित्त श्मशान पर गणेश जी अत्यंत प्राचीन मंदिर है. यहां मन्नत के तोर पर उल्टा स्वास्तिक बनाने की मान्यता है. मकर संक्रांति को देखते हुए यहां करीब 5001 छोटी-छोटी पतंगों और डोर से गणेश जी के मंदिर की सजावट की गई है. आप भी देखिए अद्भुत नजारा...

उज्जैन में दसभुजा नाथ गणेशजी का मंदिर काफ़ी चमत्कारी है. मान्यता है यहां 5 बुधवार दर्शन करने से भक्त कि सभी मनोकामना पूरी होती है. मकर संक्रांति के उपलक्ष्य पर मंदिर को 5001 पतंगों से सजाया गया है.

उज्जैन के श्मशान में विराजित चमत्कारी 10 भुजा वाले गणेश जी के मंदिर में संक्रांति पर्व को लेकर विशेष सजावट की गई. मंदिर में 5001 छोटी-छोटी पतंगों को बेहद खूबसूरती से सजाया गया है. जिसे देखने भक्तों की भीड़ यहां लग रही है.

चक्रतीर्थ श्मशान पर विराजित 10 भुजाधारी गणेशजी के मंदिर में प्रति वर्ष की तरह इस बार भी मकर संक्रांति पर पतंगों से विशेष आकर्षक सज्जा की गई है. मन्नत पूरी करने के भक्त यहां उल्टा स्वास्तिक भी बनाते हैं. गणेश जी के इस मंदिर के पास हनुमानजी का मंदिर भी है. मकर संक्रांति को देखते हुए इसे भी पतंगों से सजाया गया है. मंदिर के पंडित इंगले ने बताया कि संक्रांति वाले दिन हम बच्चों को पतंगें भी बांटते हैं.

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के अमृत महोत्सव में प्रस्तुति देंगे शर्मा बंधु

उज्जैन के राम भक्ति के सुर अयोध्या में गूंजेंगे

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन के प्रसिद्ध भजन गायक शर्मा बंधुओं के भजन अयोध्या में गूंजेंगे। अयोध्या में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा अवसर प्रसंग पर पद्म श्री जगद्गुरु रामभद्राचार्य अमृत महोत्सव का आयोजन भी 14 जनवरी से होने जा रहा है। शर्मा बंधु दूसरे दिन 15 जनवरी की संध्या में अपनी प्रस्तुति देंगे। इस आमंत्रण को पाकर शर्मा बंधु बेहद खुश हैं। महोत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई हस्तियों का जमावड़ा होगा।

15 जनवरी को होगी भजन संध्या

यह महोत्सव 22 जनवरी तक चलेगा। इसी दिन नवनिर्मित राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। महोत्सव में पद्मश्री अनूप जलोटा, अभिनेत्री हेमामालिनी, कुमार विश्वास और मनोज मुंतशिर जैसे दिग्गज कलाकार प्रस्तुति देंगे। उज्जैन के शर्मा बंधु पंडित राजीव शर्मा, मुकेश शर्मा, शैलेष शर्मा और मिथिलेष शर्मा भी अपने भजनों से श्रीराम नगरी अयोध्या में राम भक्ति के भजन गाएंगे।

अकबर ताज को भी आमंत्रण...

अयोध्या में 22 जनवरी को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर हर कोई उत्साहित है। देशभर के साधु संतों को निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। अमृत महोत्सव में मध्यप्रदेश के खंडवा निवासी कवि अकबर ताज मंसूरी को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने निमंत्रण भेजा है। आयोजन में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया है।

कब किसकी प्रस्तुति

14 जनवरी को पद्मश्री मालिनी अवस्थी
15 जनवरी को शर्मा बंधु, उज्जैन
16 जनवरी को पद्मश्री नलिनी कमलिनी
17 जनवरी को अभिनेत्री हेमामालिनी
18 जनवरी को कन्हैया मित्तल
19 जनवरी को मनोज मुंतशिर शुक्ला
20 जनवरी को पद्मश्री अनूप जलोटा
21 जनवरी को कुमार विश्वास
22 जनवरी को रामलीला का मंचन

खुशखबरी

घर बैठे मिलेगा प्राण प्रतिष्ठा देखने का अवसर

अयोध्या राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय नजदीक आता जा रहा है। इस बीच देश के लोगों में राममंदिर और रामलला के दर्शन करने का उत्साह है की बढ़ता जा रहा है। क्योंकि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आम जनता उपस्थित नहीं हो सकती, इसे ध्यान में रखते हुए बीजेपी ने एक शानदार प्लान तैयार किया है। अब आपको निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि अब पूरा देश प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अपने घर से शामिल हो सकता है। आम आदमी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने और प्रभु श्रीराम के दर्शन कर सके इस बात को ध्यान में रखते हुए और देशवासियों को भावनाओं को समझते हुए एक प्लान तैयार किया गया है। आइए आपको उसके बारे में डिटेल में बताएं...

रामलला प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को किया जाएगा। जिसमें कई बड़े नेता शामिल होने वाले हैं। इस बीच आम जनता भी इस कार्यक्रम का घर बैठे आनंद ले सकती है। पूरा देश राम मय करने के लिए बीजेपी ने एक प्लान तैयार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके लिए बड़ी स्क्रीनिंग की व्यवस्था की जा रही है। ताकी घर पर होते हुए भी सभी लोग इस कार्यक्रम को देख सके और खुद को इस कार्यक्रम का हिस्सा समझें। लोगों की भावना और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को और ऐतिहासिक बनाने के लिए लाइव प्रसारण की प्लानिंग की जा रही है। बता दें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम 22 जनवरी से शुरू होगा, लेकिन उससे पहले 16 जनवरी से कार्यक्रम की शुरुआत हो जाएगी। इतना ही नहीं अयोध्या में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को 'अमृत महोत्सव' का नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी और सीएम योगी समेत कई बड़े दिग्गज नेता शामिल होने वाले है। जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में 10 से 15 हजार अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है।

इंदौर तैयार

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए घर-घर में जलेंगे दीप

अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में 1.11 करोड़ दीप जलाए जाएंगे. राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव की तैयारियों को लेकर शहर के गणमान्य लोगों की बैठक के बाद शुक्रवार को यह जानकारी दी. अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में 1.11 करोड़ दीप जलाए जाएंगे. राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव की तैयारियों को लेकर शहर के गणमान्य लोगों की बैठक के बाद शुक्रवार को यह जानकारी दी.

विजयवर्गीय ने कहा कि यह चित्रकला प्रतियोगिता भगवान राम और अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर के विषय पर आधारित होगी. मंदिर परिसर को सजाने के लिए भोपाल से खास तरह के फूल भी भेजे जा रहे हैं. अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में 44 अलग-अलग प्रवेश द्वार हैं. 70 एकड़ में फैला यह मंदिर तीन मंजिल होगा. हर मंजिल की ऊंचाई 20 फुट होगी. मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को 32 सीढ़ियां चढ़नी होंगी और मंदिर परिसर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा हरे-भरे पेड़ों से सुसज्जित होगा.

अयोध्या राम मंदिर

प्राण-प्रतिष्ठा में होंगे 2 मंडप और 9 हवन कुंड

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में 70 एकड़ भूमि में बने भव्य और नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होनी है. मंदिर के उद्घाटन में अब बहुत कम समय बचा है, ऐसे में तैयारियां जोरों पर है. ताजा जानकारी के मुताबिक, 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियां भी शुरू कर दी गई है. क्योंकि पूजन प्रकिया 16 जनवरी से ही विधि-विधान से शुरू हो जाएगी. प्राण प्रतिष्ठा की पूजा देशभर के 121 पंडित द्वारा संपन्न होगी. साथ ही 2 मंडप और 9 हवन कुंड भी तैयार किए जा रहे हैं. प्रत्येक हवन कुंड से विशेष महत्व और उद्देश्य भी जुड़ा है.

राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पूजन के लिए 9 हवन कुंड तैयार किए जा रहे हैं. हवन कुंड निर्माण के लिए ईंट, बालू, मिट्टी, गोबर, पंचगव्य और सीमेंट आदि जैसी सामग्रियों का प्रयोग किया जा रहा है.

हवन कुंड के निर्माण में आकार, लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई और गहराई आदि का खास ध्यान रखा जा रहा है. शास्त्रीय पद्धति को ध्यान में रखते हुए आठ दिशाओं के लिए आठ हवन कुंड बनाए जा रहे हैं. वहीं एक हवन कुंड आचार्य के लिए बनाया जाएगा.पूर्व दिशा में सर्व सिद्धि दायक चौकोर कुंड,आग्नेय दिशा में पुत्र प्राप्ति और कल्याण के लिए योनि कुंड, दक्षिण दिशा में कल्याणकारी अर्धचंद्राकार कुंड, नैऋत्य दिशा में शत्रु नाश के लिए त्रिकोण कुंड, पश्चिम दिशा में सुख-शांति के वृत्ताकार कुंड, मारण और उच्छेद के लिए वायव्य दिशा में षडस्त्र कुंड, वर्षा के लिए उत्तर दिशा में पद्म कुंड, आयोग्य के लिए ईशान में अष्टासत्र कुंड और ईशान और पूर्व के मध्य समस्त सुखों की प्राप्ति के लिए आचार्य कुंड का निर्माण किया जाएगा.

मेवाड़ी पगड़ियां

खास की गई तैयार, केसारिया पगड़ी पर राम नाम की चमक

अयोध्या में श्री राम लाल के मंदिर निर्माण का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारी चल रही है इसको लेकर देशभर के विभिन्न कारीगर लगे हुए हैं. वहीं, राजस्थान के उदयपुर शहर में खासतौर पर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में पहने जाने वाली पगड़ियां तैयार की गई है. यह पगड़ियां केसरिया रंग की है जिन पर श्री राम लिखा हुआ है.

उदयपुर शहर से श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शाही ताज दुकान से करीब 500 पगड़ियां तैयार कर भेजी जा रही है. इसमें पगड़ियों को करीब 15 दिनों की मेहनत से तैयार किया गया है. वहीं, सभी पगड़ियां केसरिया रंग की है जिस पर जय श्री राम का लिखा गया है. जयंत कोठरी ने बताया कि श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के लिए यह खास पगड़ियां तैयार की गई .

जयेश कोठारी और जयंत कोठारी इससे पहले भी कई फिल्मी सितारों के लिए पगड़ी तैयार कर चुके हैं. देश के कई बड़े उद्योगपतियों और फिल्मी सितारों की शाही शादियों में पगड़ियां बनाते है. हाल ही उदयपुर में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की वेडिंग में भी राघव का खास साफा तैयार किया था.

अयोध्या में सरयू में तैनात होंगे स्नाइपर

स्पेशल STF के हवाले राम मंदिर की सुरक्षा

अयोध्या में बने रहे राम मंदिर की सिक्योरिटी में 25 हजार जवान तैनात किए गए हैं। मंदिर के अंदर की सुरक्षा स्पेशल STF टीम के पास होगी। मंदिर के आस-पास फिदाईन हमले को रोकने के लिए क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। मंदिर के आस-पास का एरिया CCTV से लैस होगा।

इतना ही नहीं, सरयू नदी में स्नाइपर तैनात किए जाएंगे। मंदिर की सिक्योरिटी को 2 जोन में बांटा गया है। रेड और येलो। रेड जोन में राम मंदिर को रखा गया है, जबकि येलो में हनुमानगढ़ी और कनक भवन को रखा गया है।

सिक्योरिटी प्लान पर करीब 100 करोड़ खर्च होंगे। हर 6 महीने में इसकी समीक्षा खुद गृह विभाग करेगा। वहीं, 22 जनवरी यानी प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ सकती है। इसमें केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी के साथ पैरामिलिट्री के जवान भी शामिल होंगे। ड्यूटी पर तैनात जवान स्मार्ट फोन का इस्तेमाल नहीं करेंगे। ये सभी बातें एक बड़े अफसर ने बताई हैं।

रेड जोन : राम मंदिर

राम मंदिर परिसर को पुलिस ने रेड जोन में रखा है। कोई संदिग्ध चीज मंदिर तक न जा पाए। इसके लिए क्रैश रेटेड बोलार्ड, अंडर व्हीकल स्कैनर, टायर किलर, बूम बैरियर और CCTV लगाए गए हैं। इन उपकरणों को हैंडल करने के लिए स्पेशल STF टीम, एटीएस कमांडो तैनात किए जा रहे हैं।

येलो जोन : हनुमानगढ़ी, कनक भवन

येलो जोन में अयोध्या की हनुमान गढ़ी और कनक भवन को रखा गया है। रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने वाले एक बार हनुमानगढ़ी के दर्शन जरूर करते हैं। इसलिए यहां की सुरक्षा को यलो जोन में रखा गया है। इन दोनों परिसर के लिए 34 सब इंस्पेक्टर, 71 हेड कॉन्स्टेबल, 312 कॉन्स्टेबल को तैनात किया गया है। इसके साथ ही हर जगह पर CCTV से भी नजर रखी जाएगी।

क्रैश रेटेड बोलार्ड

अगर मंदिर पर कोई हमला होता है, तो हमलावर भागकर नहीं जा सकता है। दरअसल, सुरक्षाकर्मियों जैसे ही बटन दबाएंगे। वैसे ही जगह-जगह पिलरनुमा क्रैश रेटेड बोलार्ड निकल जाएंगे। अगर हमलावर कार से है, तो उसकी कार उसमें टकरा जाएगी।

टायर किलर

यह एक प्रकार का स्पीड ब्रेकर होता है और एक साइड से नुकीला होता है। अगर आप सही दिशा में ड्राइविंग करते हैं, तो ये स्पीड ब्रेकर का काम करेगा। वहीं, अगर आप गलत दिशा में ड्राइव करते हैं, तो नुकीले कील टायर चुभ सकते हैं। इससे टायर पंचर हो जाता है।

बूम बैरियर

यह टोल नाके की तरह होता है। यहां पहले आपकी कार स्कैन होती है। इसके बाद बैरियर खुल जाता है। फिर आप अंदर जा सकते हैं।

हवाई अड्डे पर तैनात जवान आतंकी खतरों से निपटने में सक्षम

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई। यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है। यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला है।

डाटाबेस तैयार, अयोध्या में घुस नहीं पाएंगे खुराफाती

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। पुलिस के रडार पर रहने वाले लोगों को इस दौरान अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। पुलिस ने मय फोटो इनका डाटाबेस तैयार कर लिया है। इनकी गतिविधियों पर अभी से नजर रखी जा रही है। श्रीराम मंदिर की सुरक्षा को पहले से अब और चुस्त किया जा रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देशभर के विशिष्टजन शामिल होंगे। इसके बाद अयोध्या में बेहिसाब भीड़ उमड़ेगी। समारोह के दौरान सुरक्षा पर सरकार का फोकस है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की नजर ऐसे खुराफातियों पर है जो भीड़ का लाभ उठाकर गड़बड़ कर सकते हैं। आसपास के जिलों के साथ ही प्रदेश भर से ऐसे लोगों की पहचान करके पूरी कुंडली पुलिस ने मंगवा ली है। अब रणनीति यह है कि ऐसे लोगों को अयोध्या में घुसने न दिया जाए। यहां आने का प्रयास किया तो धर दबोचे जाएंगे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का पूरा शेड्यूल

15 से 22 जनवरी के कार्यक्रम तैयार

भारत के इतिहास में 22 जनवरी 2024 का दिन सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया जाएगा। ये पल सभी के लिए बहुत ही खास और ऐतिहासिक होने वाला है। सभी रामभक्त इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे। बता दें, श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में 70 एकड़ भूमि पर बने भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होनी है। इस तारीख का सभी को बेसब्री से इंतजार है। लगातार भक्तों में मंदिर के उद्घाटन की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। साथ ही अयोध्या के अलावा भी पूरे देश के कोने-कोने में हर्षोल्लास देखने को मिल रहा है। इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम दौर में है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हफ्ते भर चलेगा। वहीं रामलला की मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित करने का समय सबसे अहम होगा। यही नहीं मंदिर से जुड़े सभी कार्यों को शुभ मुहूर्त के अनुसार संपन्न किया जाएगा। आइए राम मंदिर के कार्यक्रम के पूरे शेड्यूल को विस्तार से जान लेते हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकंड का शुभ मुहूर्त निकाला गया है। ये समय 22 जनवरी 2024 को 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक होगा।

राम मंदिर में 15 से 22 जनवरी 2024 तक का शेड्यूल

- **15 जनवरी 2024:** 15 जनवरी को मकर संक्रांति है। साथ ही खरमास भी समाप्त हो जाएगा। इस खास दिन पर रामलला के विग्रह यानी श्री राम के बालरूप की मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा।
- **16 जनवरी 2024:** इस शुभ दिन पर रामलला के विग्रह के अधिवास का अनुष्ठान शुरू होगा।
- **17 जनवरी 2024:** इस खास दिन पर रामलला की प्रतिमा को नगर भ्रमण के लिए निकाला जाएगा।
- **18 जनवरी 2024:** इस दिन से प्राण-प्रतिष्ठा की विधि आरंभ होगी। साथ ही मंडप प्रवेश पूजन, वास्तु पूजन, गणेश पूजन, वरुण पूजन, विघ्नहर्ता और मार्तिका पूजन होगा।
- **19 जनवरी 2024:** इस शुभ दिन पर राम मंदिर में यज्ञ अग्नि कुंड की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा अरणी मंथन से यज्ञ की अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। फिर नवग्रह होम होगा।
- **20 जनवरी 2024:** इस दिन राम मंदिर के गर्भगृह को 81 कलशों के जल से 'जिन्हें अलग-अलग नदियों के जल से इकट्ठा किया गया है' उनसे पवित्र किया जाएगा।
- **21 जनवरी 2024:** इस तिथि को यज्ञ विधि में विशेष पूजन और हवन के बीच राम लला का 125 कलशों से दिव्य स्नान होगा। ये बहुत ही खास होगा।
- **22 जनवरी 2024:** इस दिन मध्यकाल में मृगशिरा नक्षत्र में रामलला की मूर्ति गर्भगृह में स्थापित होगी। साथ ही इस दिन पूरे विधि-विधान से महापूजा होगी।

देशभर में उत्सव का महौल

उद्घाटन के दिन इंदौर बनाएगा विश्व रिकॉर्ड, प्रशासन की तैयारी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। इसे लेकर देशभर में उत्सव का महौल है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में इस दिन विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी हैं। 22 जनवरी को इंदौर में 1.08 करोड़ दीये जलाकर दिवाली सा उत्सव मनाया जाएगा।

इंदौर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को यादगार बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 14 जनवरी से महोत्सव शुरू हो जाएगा। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, बाजार आकर्षक तरीके से सजाए जाएंगे। आतिशबाजी के साथ प्रसाद व कपड़ों का वितरण भी होगा। शुक्रवार को इसके लिए हुई जनप्रतिनिधियों की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए है। पार्षद क्षेत्र के स्कूलों में राम मंदिर पर पेंटिंग स्पर्धा कराई जाएगी। इसमें 31 हजार बच्चे शामिल होंगे। नगर निगम प्रशासन प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी करेगा।

गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर के प्रमुख चौराहों पर भगवान राम की एक्रेलिक आकृति लगाई जाएंगी। 56 दुकान, सराफा व चाट-चौपाटी पर 22 को स्थानीय गायकों के गाए श्रीराम धुन प्रसारण होगा। जो संस्थान व संगठन अच्छा डेकोरेशन करेगा, उसे पुरस्कृत भी किया जाएगा।

राजबाड़ा पर बड़ी एलईडी स्क्रीन प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव होगा। 5100 किलो लड्डू का वितरण होगा। होटलों में श्रीराम की प्रतिकृति लगाकर सेल्फी प्वॉइंट बनाए जाएंगे।

श्रद्धालु ने बनवाया चांदी का दीपक

रामलला के लिए रतलाम के श्रद्धालु ने 5 किलो चांदी का दीपक बनवाया है। इसे उदयपुर-जयपुर के कारीगरों ने एक माह में बनाया है। यह दीपक गर्भगृह में रखा जाएगा। श्री मेहंदीकुई बालाजी मंदिर के ट्रस्टी संजय दलाल ने बताया कि दानदाता को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से इसके लिए इजाजत मिल गई है।

महाकाल लोक की 200 मूर्तियों को चित्रों में उकेरकर बनाएंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

महाकाल लोक में बनी 200 मूर्तियों के चित्र बनाकर फागुनी ललित कला केंद्र के 15 विद्यार्थी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं जिसकी शुरूआत इस्कॉन मंदिर में लाईव पेंटिंग परफार्मेंस के माध्यम से की। यहां महाकाल लोक में मुख्य द्वार में बनी गणपतिजी की प्रतिमा का सर्वप्रथम चित्र बनाया इसके बाद भगवान विष्णु के दशावतार को चित्रों के माध्यम से उकेरा।

एकादशी के अवसर पर फागुनी ललित कला केंद्र के 15 होनहार विद्यार्थियों ने इस्कॉन मंदिर में लाईव पेंटिंग परफार्मेंस के माध्यम से भगवान विष्णु के दशावतार को जीवंत कर दिया। यहां इन विद्यार्थियों ने भगवान विष्णु द्वारा धरती पर अवतार लेने वाले श्रीराम, कृष्ण, वामन सहित सभी अवतारों को चित्रकला के माध्यम से उकेरा। विद्यार्थियों में ऋचा डोडिया, अंशु वाडिया, भावार्थ चौधरी, आर्या जाट, राजू पुष्पद, गीता आनंद, कनक अलवानी, आर्यन जगदाले, मुकुल आर्य, प्रनेन्द्र राठौर, हर्षल पचोरी, हर्षिका धाकड़, शीतल मेवाड़ा ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही राधा कृष्ण को भव्य स्वरूप में चित्र बनाए।

आगे फागुनी ललित कला केंद्र के विद्यार्थी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। महाकाल लोक की 200 मूर्तियों के अनेकों रंगों में चित्र बनाएंगे। फाल्गुनी अग्रवाल ने बताया कि अनेक रंगों से 200 मूर्तियों को उकर जाएगा।

चित्रकूट के भक्त ने महाकाल को अर्पित किया रजत आभूषण, चांदी का मुकुट और कुंडल चढ़ाया

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में उत्तर प्रदेश के चित्रकूट से पधारे अमित द्विवेदी द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुरोहित प्रतिनिधि सचिन शर्मा की प्रेरणा से एक नग चांदी का मुकुट, दो नग चांदी के कुंडल और एक नग बड़ा चम्मच भगवान श्री महाकालेश्वर को अर्पित किया गया, जिसका कुल वजन 2120 ग्राम है।

इसे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा प्राप्त कर विधिवत रसीद प्रदान की गई व दानदाता का सम्मान किया गया। यह जानकारी श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के कोठारी मनीष पांचाल द्वारा दी गई। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर की सभी व्यवस्थाएं दान के माध्यम से ही संचालित होती हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित निःशुल्क अन्न क्षेत्र, गौशाला, चिकित्सा आदि में भी अपनी श्रद्धानुसार दान भी करते हैं। समय-समय पर मंदिर के अधिकारी-पुजारी-पुरोहितों-मंदिर प्रबंध समिति सदस्यों व कर्मचारियों के माध्यम से भी भक्तों को मंदिर में दान करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

22 जनवरी को मध्यप्रदेश में रह सकता है सामूहिक अवकाश

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मध्यप्रदेश में अगला एक सप्ताह राममय होने जा रहा है. मध्यप्रदेश सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है. इसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. वह है 22 जनवरी को पूरे मध्यप्रदेश में सामूहिक अवकाश घोषित करना.

मध्यप्रदेश में अगला एक सप्ताह राममय होने जा रहा है. मध्यप्रदेश सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है. इसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. वह है 22 जनवरी को पूरे मध्यप्रदेश में सामूहिक अवकाश घोषित करना. जी हां, मध्यप्रदेश सरकार 22 जनवरी को सामूहिक अवकाश घोषित कर सकती है. 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा और इस समारोह का लाइव प्रसारण किया जाएगा.

वहीं सभी सरकारी इमारतों पर 22 जनवरी को लाइटिंग की जाएगी. भोपाल में भी वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन सहित प्रदेश के सभी बड़े सरकारी दफ्तरों पर लाइटिंग की जाएगी. वहीं आपको बता दें कि सामूहिक अवकाश की घोषणा करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने फाइल को एप्रूवल के लिए मुख्य सचिव वीरा राणा के पास भेजी है. उनकी सहमति मिलते ही सामूहिक अवकाश की घोषणा कर दी जाएगी. 22 जनवरी को यदि सामूहिक अवकाश की घोषणा हुई तो मध्यप्रदेश के लोगों को 3 दिन लगातार छुट्टी मिलेगी. 20 से 22 जनवरी तक तीन दिन लगातार अवकाश हो जाएगा, क्योंकि 20 जनवरी को शनिवार, 21 को रविवार पहले से है और ऐसे में 22 जनवरी को भी सरकारी अवकाश घोषित हो जाता है तो स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तर हर जगह तीन दिन लगातार अवकाश हो जाएगा.

22 जनवरी को बिजली नहीं होगी गुल

22 जनवरी को मध्यप्रदेश में बिजली गुल नहीं होगी. ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ऐलान किया है कि 22 जनवरी को पूरे मध्यप्रदेश में 24 घंटे बिजली सप्लाई की जाएगी और इस दौरान कोई मेंटेनेंस का कार्य भी नहीं किया जाएगा. इसे देखते हुए बिजली कंपनी ने मेंटेनेंस के कामों को 22 जनवरी से पहले निपटाने का निर्णय लिया है और इस वजह से फिलहाल मेंटनेंस के शटडाउन लेकर बिजली लाइनों को दुरुस्त करने का काम चल रहा है.

153 करोड़ 54 लाख रुपये की परियोजना

रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक रोपवे परियोजना के लिए नया टेंडर जारी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक रोप-वे परियोजना पुनर्जीवित हो गई है। पहले टेंडर के रद्द होने के महीनों बाद नेशनल हाइवे लाजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) ने 1762 मीटर लंबे रोपवे के लिए एक नया टेंडर जारी किया है, जिसमें प्राप्त प्रस्तावों पर जल्द ही स्वीकृति की मुहर लगने की उम्मीद है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले कुछ सप्ताह में कार्य आदेश जारी हो जाएगा।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप माडल

रोपवे परियोजना, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप माडल पर तैयार 153 करोड़ 54 लाख रुपये के निवेश की परियोजना है। रोप-वे का बोर्डिंग स्टेशन इंदौरगेट रेलवे स्टेशन के समीप माल गोदाम साइड बनेगा। दूसरा रोप-वे स्टेशन त्रिवेणी संग्रहालय के सामने पार्किंग स्थल पर बनेगा। ये तीसरा स्टेशन महाकालेश्वर मंदिर के पास गणेश कालोनी (रूद्रसागर में निर्माणाधीन पैदल पुल के शुरुआती छोर के समीप) से लिंक होगा।

हवाई सफर सिर्फ पांच मिनट का रहेगा

यानी श्रद्धालु चाहेंगे तो सीधे रेलवे स्टेशन से इस पुल तक पहुंच पाएंगे। ये हवाई सफर सिर्फ पांच मिनट का होगा, जिसके लिए श्रद्धालुओं को 200 रुपये तक चुकाना पड़ेंगे। मालूम हो कि रोप-वे बनाने के लिए साल 2022 में भी निविदा आमंत्रित की गई थी मगर इसे बाद में कथित कारणों से रद्द कर दिया गया था।

परियोजना को 24 महीने में विकसित करने की बात

परियोजना को 24 महीने में विकसित करने, तत्पश्चात उसका संचालन, रखरखाव भी चयनित होने वाली फर्म को ही करने का जिक्र टेंडर में है। रोपवे सिस्टम, मोनोकेबल डिटैचेबल गोंडोला तकनीक पर डिजाइन पर तैयार किया है, जिसके स्काई कोच में बैठकर एक घंटे में अधिकतम दो हजार यात्री सफर कर सकेंगे।

20 महीने पहले नितिन गडकरी ने की थी घोषणा

20 महीने पहले 24 फरवरी 2022 को उज्जैन में 5722 करोड़ रुपये की 534 किलोमीटर लंबी 11 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करने आए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक रोप-वे बनवाने की घोषणा की थी। कुछ महीने बाद उन्होंने रोप-वे निर्माण के लिए 209 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। कहा था कि रोप-वे बनने से उज्जैन रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर की दूरी पांच मिनट में तय होगी। रोप-वे स्टेशन पर लोगों को फूड जोन, प्रतीक्षालय, शौचालय के साथ बस एवं कार पार्किंग की सुविधा मिलेगी। इससे सड़क पर यातायात का दबाव काफी हद तक कम होगा।

स्वीकृति के बाद स्थानीय अफसरों ने जमीनी सर्वे कर रोप वे स्टेशन बनाने को तीन जगह चिह्नित की। एक स्थान महाकाल मंदिर प्रशासक कार्यालय के सामने तय किया, मगर यहां रोप वे की ऊंचाई मंदिर के शिखर से अधिक होने के कारण स्थान बदल दिया गया। अंततः तय हुआ कि रोप-वे का एक स्टेशन इंदौर गेट रेलवे स्टेशन के मालगोदाम परिसर में, दूसरा त्रिवेणी संग्रहालय परिसर के सामने और तीसरा चारधाम मंदिर पहुंच मार्ग पर बन रहे पैदल ब्रिज के छोर पर बनाया जाएगा।

तकिया मस्जिद से लगी जमीन खाली कराना बाकी

रोप-वे परियोजना का स्टेशन बनाने के लिए जमीन तय है मगर रिक्त नहीं है। तकिया मस्जिद से सटी जमीन पर मल्टीलेवल पार्किंग संग रोप-वे का तीसरा स्टेशन बनाना तय हुआ है। वर्तमान में यहां की 2.135 हेक्टेयर जमीन पर 253 मकान बने हुए हैं। इन्हें हटाने के लिए प्रशासन पिछले वर्ष धारा 11 लागू कर धारा 21 का प्रकाशन कर चुका है। कहा गया है कि यहां 2000 वाहन पार्क कराने को मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी। इसका प्रस्ताव उज्जैन विकास योजना- 2024 में है। पार्किंग परियोजना के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इधर, रेलवे स्टेशन परिसर में रोप-वे स्टेशन बनाने को जमीन का आवंटन अब तक रेलवे द्वारा न किए जाने की खबर है। कार्रवाई कागजी प्रक्रिया में अटकी पड़ी है।

उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने को लेकर

जमीन देखने आए विमानन आयुक्त

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए जमीन देखने गुरुवार दोपहर विमानन विभाग के आयुक्त चंद्रमौली शुक्ला आए। उन्होंने देवास रोड़ स्थित दताना हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। यहां 180 बैठक क्षमता वाले विमानों की लैंडिंग के हिसाब से पांच रखने वाला एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव राजस्व और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से मांगा। कहा कि प्रस्ताव आगामी प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में रखेंगे। उज्जैन में एयरपोर्ट बनने से उज्जैन की अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

चंद्रमौली शुक्ला ने 'नईदुनिया' से कहा कि उज्जैन में बढ़ते पर्यटन को ध्यान में रख मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने यहां एयरपोर्ट बनाने को प्रस्तावित परियोजना में तेजी लाने को कहा है। इसी कड़ी में जमीन देखी है। एयरपोर्ट बनाने के लिए कितनी जमीन की आवश्यकता होगी, जमीन अधिग्रहित करने और बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करने पर कितनी राशि खर्च होगी, इसका प्रस्ताव राजस्व और लोक निर्माण विभाग के अफसरों से मांगा है।

प्रस्तावित जमीन उज्जैन-देवास-इंदौर के संगम पर स्थित है, जहां न्यूनतम पांच रनवे वाला एयरपोर्ट बनाने को संभावना तलाशी है। एक आदर्श एयरपोर्ट बनाने में 250 से 300 करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान है। निरीक्षण में एयरपोर्ट अथारिटी के कुछ पदाधिकारी और उज्जैन के एसडीएम अर्थ जैन, गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के उपायुक्त यशवंत दोहरे, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री साथ थे।

जानकारों का कहना है कि इंदौर एयरपोर्ट का विस्तार करने की बजाय उज्जैन में नया एयरपोर्ट बनाना खर्च और इंदौर में बढ़ते एयर ट्रैफिक की समस्या का प्रभावी समाधान होगा। इससे उज्जैन-देवास आने-जाने वाले लोगों को काफी सहुलियत हो जाएगी। प्रस्तावित एयरपोर्ट को जोड़ते तीनों मुख्य मार्गों का तेजी से विकास होगा और आने वाले समय में उज्जैन-इंदौर-देवास मिलकर एक महानगर के रूप में पहचान बनाएंगे। अगर इंदौर एयरपोर्ट का विस्तार करने के लिए 2314 एकड़ जमीन अधिग्रहित करते है तो इस पर काफी अधिक राशि खर्च होगी।

मध्य प्रदेश दूसरा सबसे साफ राज्य

सातवीं बार इंदौर बना सबसे स्वच्छ शहर

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मध्य प्रदेश का इंदौर भारत में स्वच्छ शहरों का पर्याय बन गया है. स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में एक बार फिर इंदौर ने देश में पहला स्थान हासिल किया है. सातवीं बार इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है. राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों इस अवॉर्ड को लेने टीम इंदौर की तरफ से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, इंदौर-एक सीट के विधायक और मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव पहुंचे. इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर और मध्य प्रदेश को दूसरा सबसे स्वच्छ राज्य चुना गया है.

मध्य प्रदेश का इंदौर लगातार सात बार से देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है. हालांकि इस बार इंदौर के साथ-साथ गुजरात के सूरत को भी पहला स्थान मिला है. ऐसा पहली बार हुआ है जब स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में दो शहरों को पहला स्थान मिला हो. इंदौर के अलावा अब गुजरात का सूरत भी संयुक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर बन गया है. सबसे स्वच्छ शहर का अवॉर्ड लेने के बाद कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर इसकी जानकारी भी साझा की और उन्होंने बताया कि इंदौर ने लगातार सातवीं बार ये सम्मान हासिल किया है. इंदौर के साथ-साथ स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मध्य प्रदेश को भी देश का दूसरा सबसे स्वच्छ राज्य चुना गया है. देश का सबसे स्वच्छ राज्य महाराष्ट्र बना है. मध्य प्रदेश को मिले स्वच्छता अवॉर्ड को लेने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मंच पर पहुंचे. देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य छत्तीसगढ़ बना है. स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मध्य प्रदेश की जनता के लिए गर्व के पल दिए हैं. मालूम हो कि बीजेपी के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय पहले ही ये ऐलान कर चुके थे कि इस बार भी इंदौर ही देश का सबसे स्वच्छ शहर बनेगा. ऐसे में टीम इंदौर की तरफ से वो दिल्ली में आयोजित किए गए कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे. इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे.

50 करोड़ का टेंडर लगेगा ऑनलाइन

फ्रीगंज ओवरब्रिज का टेंडर जल्द, 368.5 मीटर लंबा होगा

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

फ्रीगंज ओवरब्रिज के समानांतर नया ओवरब्रिज बनाने की तैयारी तेज हो गई है।अगले हफ्ते इसका टेंडर ऑनलाइन जारी किया जा सकता है। दूसरी ओर रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर के लिए रोप वे की योजना पर प्रशासन को अभी रेलवे से हरी झंडी नहीं मिल सकी है।

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग ने फ्रीगंज में नया ब्रिज बनाने की तैयारी कर ली है। मुख्यालय ने टेंडर के मसौदे को स्वीकृति दे दी है। सिविल वर्क के लिए 50 करोड़ रुपए का टेंडर ऑनलाइन लगाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार 9 जनवरी को टेंडर जारी किया जा सकता है। जमीन अधिग्रहण का काम 47 करोड़ रुपयों से होगा। जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई प्रशासन स्तर पर होगी।

इसके लिए विभागीय स्तर पर एसडीएम को पत्र भेजे जा चुके हैं। विधानसभा चुनाव से पहले ब्रिज

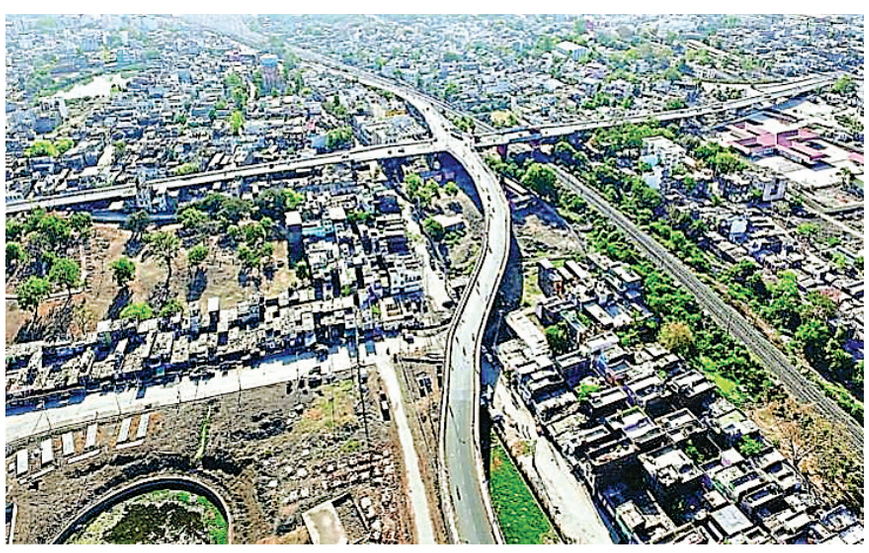

निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा 91 करोड़ 76 लाख और 92 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। ब्रिज चामुंडा माता चौराहे से महापौर बंगले के सामने तक बनेगा। इसमें दोनों और पहुंच मार्ग की 100 मीटर की सड़क भी बनाई जाएगी। ब्रिज की कुल लंबाई 368.5 मीटर होगी।

यह ब्रिज शहर की लाइफलाइन माना जाता है। वर्तमान ब्रिज 1960 में बनाया गया था। आबादी के मान से यह काफी संकरा पडऩे लगा है। इसके समानांतर नए ब्रिज बनाने की मांग वर्ष 2004 के सिंहस्थ के वक्त उठी थी। पिछले बजट सत्र में मुख्यमंत्री के समक्ष फ्रीगंज पुल के समानांतर पुल बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस परियोजना के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग कार्यालय, वेयरहाउसिंग का गोडाउन, उसके पीछे बने कुछ मकान और सख्याराजे धर्मशाला की जमीन का भू अर्जन भी होगा। इस नए पुल के बनने से शहरवासियों को टॉवर चौक का पूरा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा तथा यातायात की समस्या का भी निराकरण होगा।

सूर्य की दहलीज पे दस्तक

आदित्य मिशन भारत की बड़ी कामयाबी

भारतीय *अंतरिक्ष वैज्ञानिक हाल के दिनों में आसमानी सफलता की नयी इबारत लिख रहे हैं। पिछले वर्ष अगस्त में चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के एक सप्ताह के भीतर ही भारत ने सूरज विषयक नया ज्ञान जुटाने के लिये आदित्य एल-। मिशन शुरू किया था। हर भारतीय के लिये गर्व की बात है कि पृथ्वी से लगभग पंद्रह लाख किमी दूर आदित्य अपने लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंच गया है। जो बताता है कि कैसे इसरो के वैज्ञानिक बेहद जटिल व मुश्किलों से भरे अभियानों को सहजता से तार्किक परिणति दे रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि यह भी है कि तमाम सफलताएं इतनी कम लागत में हासिल की गई हैं कि पूरी दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। इस तरह भारत विज्ञान की उन सीमाओं को विस्तार दे रहा है जो कालांतर शेष दुनिया के लिये कल्याणकारी साबित होंगी। शुरुआती संकेत बता रहे हैं कि मिशन के सभी अवयव सुचारू रूप से अपना काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आदित्य अगले पांच वर्षों तक शोध व अनुसंधान के कार्यों के जरिये मानवता के कल्याण के लिये नई जानकारी जुटाएगा। इस मिशन की सफलता ने उन संभावनाओं को भी गति दी है, जो भविष्य में अन्य ग्रहों में शोध-अनुसंधान के लिये मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इस तरह पहले सूर्य मिशन में भारत ने अंतरिक्ष में सूर्य की निगरानी करने वाली ऑब्जर्वेटरी स्थापित कर दी है। दरअसल, लैंगरैंज प्वाइंट तक पहुंचा आदित्य एल-। धरती के इस करीबी ग्रह में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन, अंतरिक्ष के मौसम व सौर प्रवाह के धरती पर पड़ने वाले प्रभावों के विश्लेषण का मार्ग प्रशस्त करेगा। बीते साल दो सितंबर को प्रक्षेपित किए गए सूर्य मिशन का लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंचना हमारे वैज्ञानिकों की मेधा व सटीक योजना का ही परिणाम है। उल्लेखनीय है कि जिस बिंदु पर आदित्य को पहुंचाया गया है वहां सूरज व धरती का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है, जिसके चलते अंतरिक्ष यान को कम ईंधन की जरूरत होती है। वह कम ईंधन में अधिक समय तक वैज्ञानिक शोध-अनुसंधान कर सकता है। दरअसल, आदित्य यान में मौजूद सात पेलोड्स सूर्य की बाहरी परत, ऊर्जा और अंतरिक्ष में होने वाली अन्य गतिविधियों का अध्ययन करेंगे। साथ ही उन कारकों की पड़ताल जो धरती व अंतरिक्ष के मौसम को प्रभावित करते हैं। दरअसल, सौर प्रवाह के चलते धरती पर कई तरह की वैज्ञानिक घटनाएं सामने आती हैं। जिसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विचलन की तार्किकता भी है। अब वैज्ञानिक सूर्य के विकिरण तथा धरती पर उसके प्रभावों के बारे में भी अधिक जानकारी जुटा पाएंगे। निश्चित रूप से आदित्य मिशन की सफलता से भारतीय वैज्ञानिकों के सूर्य को लेकर ज्ञान में वृद्धि होगी। जो कालांतर मानवता के कल्याण और अंतरिक्ष से आसन्न खतरों से बचाव का मार्ग दिखाने में सहायक होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि साढ़े चार करोड़ डॉलर बजट वाले इस आदित्य मिशन से भविष्य में देश को भरपूर लाभ मिल सकेगा।*

2024 में किस ओर बढ़ेगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

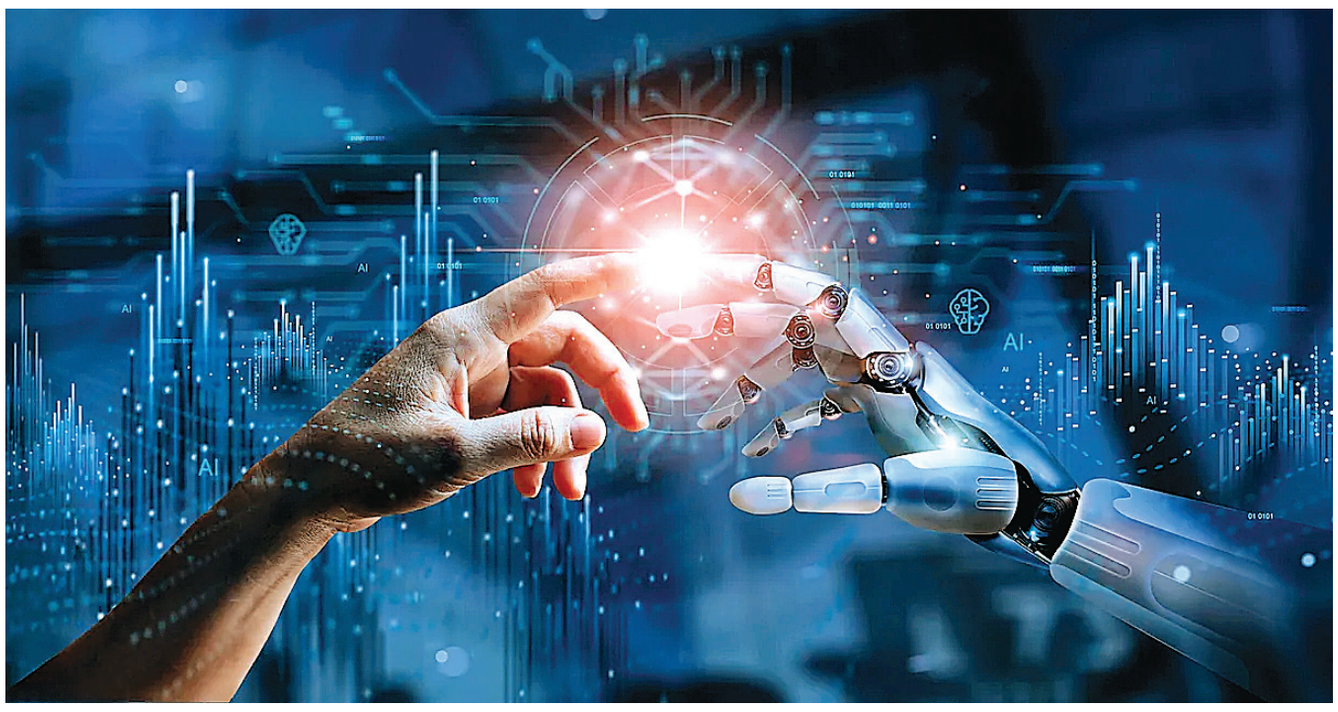

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल अब हर जगह हो रहा है। लंबे समय तक यह केवल विज्ञान की कहानियों और बिना मकसद के किए जाने वाले शोध का हिस्सा रहा। लेकिन अब चैटजीपीटी और बार्ड चैटबोट्स जैसी एआई तकनीकों को लाखों-करोड़ों लोग रोज इस्तेमाल कर रहे हैं। फिर भी विशेषज्ञों का कहना है कि ये तो आने वाले समय की बस एक झलक भर है।

एडा लर्निंग नाम के स्टार्टअप की चीफ इनोवेशन ऑफिसर और एआई पर आने वाली एक किताब की लेखिका लेआ स्टाइनाकर कहती हैं, 'एआई अपने आईफोन मोमेंट तक पहुंच गया है।' उनका इशारा साल 2007 में आए एप्पल के स्मार्टफोन से था, जिसने फोन पर मोबाइल इंटरनेट को लोकप्रिय बनाया।

स्टाइनाकर ने डीडब्ल्यू से कहा, 'चैटजीपीटी और इस तरह के और ऐप्लिकेशंस ने एआई टूल को आम लोगों तक पहुंचाया है और समग्र रूप से इसका असर समाज पर पड़ेगा।'

चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं डीपफेक्स?

तथाकथित 'जेनरेटिव' एआई प्रोग्राम के जरिए अब कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में कामचलाऊ चीजों से ठोस प्रभावी टेक्स्ट और तस्वीरें बना सकता है। इससे 'डीपफेक' सामग्री तैयार करना पहले से कहीं अधिक आसान और सस्ता हो गया है, जिसमें लोग ऐसी बातें कहते या करते दिखाई देते हैं, जो उन्होंने कभी न कहा, न किया।

जानकारों का कहना है कि 2024 में जैसे-जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से लेकर यूरोपीयन संसद के चुनावों तक की तारीखें नजदीक आ रही हैं, जनता की राय को प्रभावित करने या वोट से पहले अशांति भड़काने की मंशा से डीपफेक में वृद्धि देखी जा सकती है।

यूरोपीय संघ की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने अक्टूबर 2023 में खतरों के प्रति अंदेशा जताने वाली रिपोर्ट जारी की थी। उस वक्त एजेंसी के कार्यकारी निदेशक युहान लेपसार ने चेतावनी देते हुए कहा था, 'यूरोपीय संघ की चुनावी प्रक्रिया में विश्वास इस बात पर निर्भर करेगा कि साइबर सुरक्षित बुनियादी ढांचे और सूचना की उपलब्धता व अखंडता पर हमें कितना भरोसा है।'

डीपफेक का कितना असर होगा, यह काफी हद तक सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा इनसे निपटने के प्रयासों पर भी निर्भर करेगा। गूगल के यूट्यूब और मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे कई प्लेटफॉर्म्स ने एआई से बनने वाली सामग्री को चिह्नित करने के लिए नीतियां लागू की हैं और इस साल पता चलेगा कि ये कितनी कारगर हैं।

एआई से बनी चीजों का मालिक कौन है?

'जेनरेटिव' एआई टूल विकसित करने के लिए कंपनियां अंतर्निहित मॉडलों को इंटरनेट से प्राप्त बड़ी मात्रा में टेक्स्ट और तस्वीरों के जरिए प्रशिक्षित करती हैं। अब तक उन्होंने मूल रचनाकारों - लेखकों, चित्रकारों या फोटोग्राफरों से बिना किसी तरह की स्पष्ट सहमति के ही इन संसाधनों का उपयोग किया है।

लेकिन जिनके पास इस सामग्री का अधिकार है, वो इसे कॉपीराइट का उल्लंघन मानते हैं और इसके खिलाफ लड़ रहे हैं।

हाल ही में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने घोषणा की कि वो चैटजीपीटी की कंपनियों ओपनएआई और माइक्रोसॉफ्ट पर अखबार के लाखों लेखों का उपयोग करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा करने जा रहा है। यही नहीं, सैन फ्रांसिस्को स्थित ओपनएआई पर जॉन ग्रिशम और जोनाथन फ्रेंजेन सहित कुछ प्रमुख अमेरिकी उपन्यासकारों का एक समूह भी उनकी सामग्री का दुरुपयोग करने के लिए मुकदमा दायर करने जा रहा है।

इसके अलावा कई अन्य मुकदमे भी लंबित हैं। उदाहरण के लिए, फोटो एजेंसी गेटी इमेजेस अपनी तस्वीरों का विश्लेषण करने के लिए एआई कंपनी स्टेबिलिटी एआई पर मुकदमा कर रही है। स्टेबल डिफ्यूजन इमेज क्रिएशन सिस्टम स्टेबिलिटी एआई कंपनी का ही है।

इन मामलों में पहला फैसला 2024 में आ सकता है और इससे ये भी पता चल सकता है कि किस तरह कॉपीराइट के मौजूदा नियम-कानूनों में एआई के मद्देनजर सुधार की जरूरत है।

एआई की ताकत किसके हाथ में है?

एआई तकनीक जैसे-जैसे ज्यादा परिष्कृत होती जा रही है, कंपनियों के लिए अंतर्निहित मॉडल विकसित करना और प्रशिक्षित करना उतना ही कठिन और अधिक महंगा होता जा रहा है। डिजिटल राइट्स ऐक्टिविस्ट्स ने चेतावनी दी है कि इसी वजह से अत्याधुनिक विशेषज्ञता वाली ये तकनीक महज कुछ शक्तिशाली कंपनियों के पास ही केंद्रित होती जा रही है।

ब्रसेल्स स्थित गैर-लाभकारी संगठन 'एक्सेस नाउ' में यूरोपियन पॉलिसी एंड एडवोकेसी की डायरेक्टर फैनी हिडवेगी कहती हैं, 'कुछ तकनीकी कंपनियों के हाथों में बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग पावर और डेटा के मामले में शक्ति का यह केंद्रीकरण तकनीकी क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही समस्या को दर्शाता है।'

उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे-जैसे तकनीक लोगों के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बनती जाएगी, कुछ निजी कंपनियां ये तय करेंगी कि एआई समाज को कैसे नया आकार दे।

एआई कानूनों को कैसे लागू किया जाए?

विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि जिस तरह कारों में सीटबेल्ट लगाने की जरूरत होती है, वैसे ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को भी नियमों द्वारा नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

कई साल तक चली चर्चाओं के बाद दिसंबर 2023 में यूरोपीय संघ अपने एआई अधिनियम पर सहमत हुआ, जो एआई के लिए विशिष्ट कानूनों का दुनिया का पहला व्यापक रूप है।

अब सभी की निगाहें ब्रसेल्स में नियामकों पर होंगी कि क्या वो सही रास्ते पर चलते हैं और नए नियमों को लागू करते हैं। नियमों में क्या और कैसे बदलाव किया जाए, इस बात पर तगड़ी बहस होने की उम्मीद है।

लेआ स्टाइनाकर मानती हैं कि ये बहुत जटिल मसला है, जिसमें आगे चलकर दिक्कत आ सकती है। वह कहती हैं, 'अमेरिका की तरह यूरोपीय संघ में हम इन नए कानूनों की व्यावहारिकताओं पर लंबी बहस की उम्मीद कर सकते हैं।'

- यानोश डेलकर

भारत ने 6 विकेट से जीता दूसरा टी-20

इंदौर में भी चमके शिवम दुबे

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी-20 मैच 6 विकेट से जीत लिया है। टीम ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में 173 रन का टारगेट 15.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 34 बॉल पर 68 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 32 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। इससे पहले, अफगानिस्तान की ओर से गुलबदीन नाइब ने 35 बॉल पर 57 रन बनाए। भारत से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट झटके। इस जीत के बाद भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 17 जनवरी को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

जायसवाल-दुबे ने टीम इंडिया को दिलाई आसान जीत

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया. भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नायब की शानदार पारी की बदौलत अफगानिस्तान की टीम ने भारत के सामने 173 रनों का लक्ष्य रखा था. जिसे टीम इंडिया ने आसानी से चेज कर लिया. इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 3 मैचों की टी20 सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है.

अफगानिस्तान के लिए ओपनिंग करने उतरे रहमानुल्लाह गुरबाज 9 गेंदों में 14 रन बना सके. इसके अलावा कप्तान इब्राहिम जादरान भी कुछ खास कमाल नहीं कर सके. वह 10 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हो गए. गुलबदीन नायब की शानदार पारी की बदौलत अफगानिस्तान की टीम ने भारत के सामने 173 रनों का लक्ष्य रखा था. अर्शदीप सिंह की ओर से शानदार गेंदबाजी देखने को मिली. उन्होंने कुल 3 विकेट लिए.

युजवेंद्र चहल को करना होगा इंतजार...

टीम से बाहर भारतीय स्पिनर को इमरान ताहिर की खास सलाह

साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि युजवेंद्र चहल अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाई के स्पिनरों में शामिल हैं लेकिन कुलदीप यादव की शानदार फॉर्म के चलते उन्हें अपनी बारी आने का इंतजार करना होगा. ताहिर का मानना है कि लेफ्ट आर्म स्पिनर कुलदीप मौकों को भुनाने में कामयाब रहे हैं. चहल हाल में विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट का हिस्सा थे जहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया.

33 वर्षीय युजवेंद्र चहल को पिछले साल भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह नहीं मिल पाई थी. अब अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी उनका चयन मुश्किल लग रहा है. ताहिर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि युजी (चहल) को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है. वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे लेकिन कुलदीप जबर्दस्त फॉर्म में हैं और उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ गेंदबाजी में अच्छा तालमेल बना लिया है.'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 300 विकेट ले चुके ताहिर ने कहा, 'मेरा मानना है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनरों में से हैं लेकिन उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा. उनके प्रदर्शन के कारण नहीं बल्कि दूसरे खिलाड़ी के शानदार फॉर्म में होने के कारण. मुझे इसमें कोई शक नहीं कि वह वापसी करेंगे.'

ताहिर का मानना है कि अगर उन्हें दुनिया के 2 शीर्ष कलाई के स्पिनरों को चुनना होगा तो वह कुलदीप और साउथ अफ्रीका के तबरेज शम्सी को चुनेंगे. उन्होंने कहा, 'कुलदीप ने पिछले साल और उससे पहले भी जो उपलब्धियां हासिल की हैं, मैं बतौर स्पिनर उनकी तारीफ करता हूं. मैं कुलदीप और शम्सी को चुनूंगा.'

साउथ अफ्रीका टी20 के दूसरे सत्र में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले ताहिर ने कहा, 'हम जीतना चाहते हैं. यही वजह है कि हम यहां जल्दी आ गए और कड़ी मेहनत कर रहे हैं.'

पैरा तीरंदाज शीतल देवी को मिला अर्जुन अवॉर्ड

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को खेल अवॉर्ड्स से खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने जम्मू कश्मीर की होनहार बेटी पैरा तीरंदाज शीतल देवी को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। शीतल देश की पहली महिला तीरंदाज हैं, जिनके हाथ नहीं हैं। इस बार कुल 26 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को खेल रत्न दिया गया। वहीं, अन्य 24 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले खिलाड़ियों में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं। गोल्डन गर्ल शीतल देवी जम्मू कश्मीर के जिला किश्तवाड़ की रहने वाली हैं। 16 वर्षीय शीतल ने बीते साल चीन के हांगझाऊ में हुए एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण समेत तीन मेडल जीतकर इतिहास रचा था। वह एक ही संस्करण में दो स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं।

मोहम्मद शमी और पैरा तीरंदाज शीतल को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा

भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया, जहां क्रिकेटर मोहम्मद शमी और पैरा तीरंदाज शीतल देवी तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पुरस्कार लेने पहुंचे। बैडमिंटन

खिलाड़ियों चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को 2023 में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरुष जोड़ी वर्तमान में मलेशिया ओपन सुपर 1000 में खेल रही है और इसलिए समारोह में शामिल नहीं हुई। राष्ट्रपति भवन में समारोह में 26 खिलाड़ियों और पैरा खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

युवा स्टार पिस्टल निशानेबाज 19 वर्षीय ईशा सिंह भी जकार्ता में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्सा लेने के कारण समारोह के लिए नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत और टीम स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

महाकाल की नगरी 'उज्जैन' से तय होता है दुनिया का समय

साल 2024 में यहां होंगे 24 बड़े काम

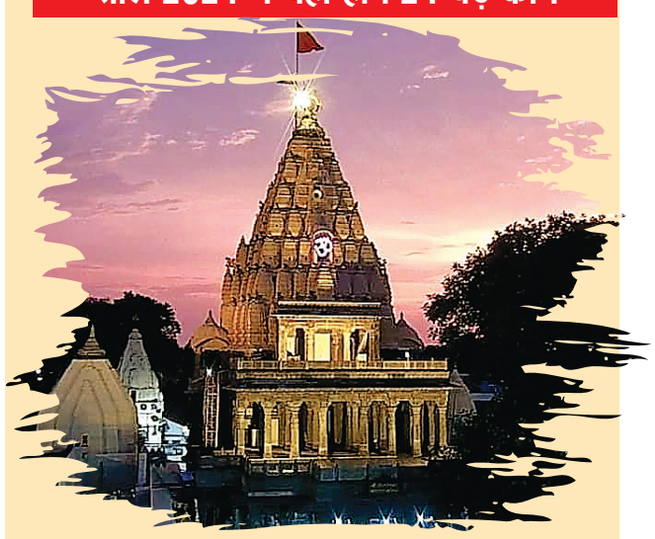

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन की अपनी तासीर है, इसका अपना विराम भी है और अपनी उड़ान भी। इसीलिए उज्जैनियत असाधारण है, बिरली है, भीड़ में भी नजर आने की क्षमता रखती है। यह अपने मूल को नहीं छोड़ती, अस्तित्व को खोने वाला समझौता नहीं करती। इंतजार करती है गरीमामयी उड़ान के लिए अपनी पसंद के आसमान का विराम का काल पूर्ण हुआ, अब ऊंची उड़ान का युग शुरू हो रहा है... अब उज्जैनियत का समय शुरू हो रहा है।

उज्जैन से तय होगा दुनिया का समय

गणितज्ञ भास्कराचार्य ने उज्जैन से प्राइम मेरिडियन के गुजरने का जिक्र किया है। इसके पूर्व सूर्य सिद्धांत और भारतीय खगोल विज्ञान से जुड़े ग्रंथों, स्कंद पुराण के अवंतिका खंड में प्राइम मेरिडियन के उज्जैन से गुजरने की जानकारी मिलती है। कर्क रेखा भी उज्जैन से गुजरती है। दोनों रेखा डोंगला में मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में कहा था कि भारत ने दुनिया का मानक समय तय किया। हम फिर प्राइम मेरिडियन को ग्रीनविच से उज्जैन लेकर आएंगे। स्टैंडर्ड टाइम उज्जैन से तय के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से डोंगला वेधशाला में काम शुरू होगा।

प्रदेश की टूरिज्म और वेडिंग डेस्टिनेशन सिटी

टूरिज्म सिटी की पहचान कायम हो रही है। श्री महाकाल लोक के बाद धार्मिक पर्यटन काफी बढ़ा है। अभी औसत रोज एक लाख से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक शहर आ रहे हैं। नए साल में और बढ़ोतरी की संभावना है जो सिंहस्थ 2028 तक नया इतिहास रचेगी। उज्जैन देश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो गया है जो पर्यटन नगरी के साथ वेडिंग डेस्टिनेशन की पहचान भी बना रहा है। यहां होने वाले हर 10 बड़े वैवाहिक आयोजनों में से एक वेडिंग डेस्टिनेशन के कारण हो रहा है। वेडिंग डेस्टिनेशन से एक साल में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यवसाय हुआ जो बढ़ती ब्रांडिंग के कारण 15 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

टियर-2 होकर भी सुविधा में टियर-1 के बराबर

उज्जैन की जीवन गुणवत्ता बड़े शहरों के समान होने वाली है। मेट्रो सिटी की तरह यहां ट्रांसपोर्ट के लिए मेट्रो ट्रेन, डोमेस्टीक एयरपोर्ट, यूनिटी मॉल, रोप-वे, सुपर इस्पेशलिटी मेडिकल फेसिटीलिटी, सिक्स और फोरलेन एंट्रेस रोड, फ्लायओव्हर, सुरक्षा के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर, श्री टू फाइफ स्टार होटल्स जैसी सुविधाएं मिल रही या मिलने वाली हैं। नए साल में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट लांच होने वाले हैं। उज्जैन देश का टीयर-2 शहर होने के बावजूद टीयर-1 सिटी की लाइफ स्टाइल देगा लेकिन वहां की तरह तनाव, ट्रैफिक जाम, अत्यधिक घनत्व जैसी समस्या नहीं होंगी।

साल 2024 के 24 बड़े कदम

1. देश के पहले यूनिटी मॉल का निर्माण शुरू होगा।
2. इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन का काम शुरू होगा।
3. मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू होगा।
4. फेज टू का कार्य पूर्ण होने पर श्री महाकाल लोक श्री महाकाल महालोक हो जाएगा।
5. एयरपोर्ट की तर्ज पर रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण शुरू होगा।
6. फ्रीगंज नए ब्रिज का निर्माण शुरू होगा।
7. 2 हजार कमरों का भक्त निवास निर्माण नजर आएगा।
8. महाकाल मंदिर के नजदीक विशाल प्रवचन व कथा हॉल का निर्माण शुरू होगा।
9. शिप्रा शुद्धिकरण के लिए कान्ह डायवर्शन पर कार्य शुरू होगा।
10. इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन का निर्माण शुरू होगा।
11. नजरअली मिल कम्पाउंड में नया डाइविंग पुल तैयार होगा।
12. देवासरोड नवीन तरणताल निर्माण पूर्ण होगा।
13. मोतीनगर में विशाल सामुदायिक भवन का निर्माण शुरू
14. जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर सेंटर की शुरुआत।
15. कैंसर यूनिट विस्तारीकरण।
16. जिला अस्पताल में सौ बेड का नया वार्ड प्रारंभ।
17. कोठी रोड पर नया तहसील कार्यालय शुरू।
18. जंतर मंतर में देश की अनुठी वैदिक घड़ी का शुभारंभ।
19. रेलवे वर्कशॉप ट्रेनिंग सेंटर।
20. यूडीए व नगर निगम तीन-चार नए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ।
21. शहर के प्रमुख चौराहों का विकास।
22. इंजीनियरिंग कॉलेज से नागझिरी तक पांच किलोमीटर का साइकिल ट्रेक प्रारंभ।
23. निमनवासा में प्लास्टिक क्लस्टर शुरू होगा।
24. उद्योगों मशीनों के पार्ट्स, डाई आदि के लिए देवासरोड उद्योगपुरी में कॉमन फेसिलिटी सेंटर शुरू होगा।

हमारी धरती तैयार करेगी डॉक्टर-इंजीनियर

स्तरीय निजी-शासकीय कॉलेज पहले से शहर व आसपास संचालित हो रहे हैं। संभागभर से युवा यहां पढ़ाई करने आ रहे हैं इसलिए मालवा निमाड़ में इंदौर के बाद उज्जैन दूसरा बड़ा एजुकेशन सेंटर बन चुका है। संस्कृत कॉलेज, वेद ज्ञान, विदेशी भाषाओं के डिपार्टमेंट आदि आकर्षण हैं। जल्द ही सरकारी मेडिकल कॉलेज की नींव रखाने वाली है। इसके बाद यहां में निजी व सरकारी दो मेडिकल कॉलेज उपलब्ध हो जाएंगे। आइआइटी की शाखा स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। भविष्य में हम देश और दुनिया के लिए डॉक्टर, इंजीनियर देने वाला प्रमुख केंद्र बनेंगे।

प्रतिबंध के बाद भी चायना डोर से हो रही पतंगबाजी

पुलिस का ध्यान सिर्फ पतंग दुकान संचालकों पर

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

चायना डोर के उपयोग से पतंगबाजी करना लोगों की जान का दुश्मन बन जाता है। इसी के चलते पुलिस द्वारा उक्त डोर के विक्रय और उपयोग पर धारा 188 के तहत प्रतिबंध लगाया है, लेकिन वर्तमान में पतंगबाज पुरानी चायना डोर का उपयोग कर पतंगबाजी कर रहे हैं। मकर संक्रांति पर्व पर शहर में पतंगबाजी की परंपरा है, लेकिन अनेक शौकीन लोग पर्व के पहले से ही पतंग उड़ाना शुरू कर देते हैं। इन दिनों भी अपने घर की छतों से लोगों को पतंगबाजी करते देखा जा सकता है। खास बात यह है कि उक्त पतंगबाज घर में रखी पुरानी चायना डोर का उपयोग कर रहे हैं, जबकि पुलिस द्वारा चायना डोर के उपयोग और विक्रय पर प्रतिबंध लगाया है। शहर में चायना डोर से पतंगबाजी का उदाहरण मंगलवार को हरिफाटक ब्रिज पर इंदौर से आए युवक के घायल होने की घटना से सामने आया है। उक्त युवक चायना डोर की चपेट में आकर गंभीर घायल हुआ था जिसका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया, जबकि पुलिस द्वारा पतंग दुकानों पर सर्चिंग के साथ ही व्यापारियों को निर्देश दिये हैं कि यदि चायना डोर की खरीदी-बिक्री करने के साथ उपयोग करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ धारा 188 के तहत कार्रवाई करते हुए मकान तोडऩे की कार्रवाई भी की जायेगी।

छतों से होती पतंगबाजी पर पुलिस की नजर नहीं

जीरोपाइंट ब्रिज पर चायना डोर की चपेट में आने से युवती की मृत्यु कुछ वर्ष पूर्व हुई थी जबकि प्रतिवर्ष चायना डोर की चपेट में आकर अनेक वाहन चालक घायल होते रहे हैं। इसी के मद्देनजर पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने के साथ चायना डोर व्यापारियों पर कार्रवाई भी की इसके बावजूद अनेक पतंगबाजों के पास चायना डोर मौजूद हैं और वे संक्रांति के पूर्व ही इसका उपयोग कर पतंगबाजी कर रहे हैं। पिछले वर्ष पुलिस द्वारा छतों से पतंगबाजी करने वालों पर नजर रखने के साथ ही वहां पहुंचकर डोर की जांच भी की थी। हालांकि वर्तमान में पुलिस द्वारा ऐसा कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है।

पतंग उड़ाने वाली चाइना डोर से कटा युवक का नाक, बैन के बाद भी धड़ल्ले से बिक रहा मांझा

उज्जैन में पतंग उड़ाने वाली चाइना डोर (चाईनीज मांझा) से मंगलवार को एक बाइक सवार का गला कट गया और उसकी जान पर बन आई. घटना में युवक गंभीर रूप से ज़ख्मी हो गया. दरअसल, युवक महाकाल के मंदिर से दर्शन करके वापस लौट रहा था. इस दौरान हरि फाटक ब्रिज के पास कट कर आई पतंग के चायना मांझे में वह उलझ गया और गंभीर रूप घायल हो गया. आनन फानन में युवक को जिला अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया. बताया जा रहा है कि यदि मांझा थोड़ी और नीचे होता तो युवक के साथ अनहोनी हो सकती थी. हादसे का शिकार युवक इंदौर का रहने वाला है.

जानिए कैसे हुई घटना? : इंदौर के हवामहल इलाके का रहने वाला युवक तरुण मंगलवार दोपहर बाइक से महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आया था. युवक के साथ पत्नी व बच्चे भी बाइक पर सवार थे. दर्शन के बाद सभी बाईक से वापस अपने घर लौट रहे थे. इस दौरान हरी फाटक ब्रिज पर कट कर जा रही पतंग की डोर में तरुण उलझ गया जिससे उसके नाक और गाल कट गए. घायल होने पर उसे साथी तुरंत जिला अस्पताल ले गए और इलाज कराया.

मांझा पकड़ने के लिए मुहिम : जानकारी के लिए बता दें कि चाइना मांझा नायलॉन की तार जैसा होता है. यह मांझा आसानी से न तो कटता है और न ही टूटता है. यही वजह है कि पतंगबाज इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं. इस खतरनाक मांझे से पहले भी कई हादसे हो चुके हैं. गंभीर हादसे होने पर प्रशासन ने इस साल भी इसके बेचने समेत इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी. बावजूद इसके पतंगबाज बेख़ौफ़ होकर इसका इस्तमाल कर रहे है. वहीं, दो साल पहले इस मांझे से एक युवती की गला कटने से मौत भी हो चुकी है.

महाराजवाड़ा भवन की जगह बनी हेरिटेज होटल

ठेके पर देने की तैयारी

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

पुराने जमाने के महाराजवाड़ा भवन को अब हेरिटेज होटल का रूप दिया जा चुका है। पूर्व सीएम शिवराजसिंह चौहान इसका लोकार्पण कर चुके हैं, लेकिन अभी इसका काम अधूरा है। होटल को प्रशासन द्वारा ठेके पर देने की तैयारी की जा रही है। कलेक्टर नीरजकुमार सिंह ने शुक्रवार रात इसका निरीक्षण किया और स्मार्ट सिटी अधिकारियों से कहा जल्द काम पूरा कराओ।

कलेक्टर सिंह ने शुक्रवार रात 9 से 11 बजे तक स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। ई कार्ट में अधिकारियों के साथ उन्होंने महाकाल मंदिर में टनल से दर्शन की तैयारी का भी निरीक्षण किया। महाराजवाड़ा भवन को हेरिटेज होटल में तब्दील करने का काम भी उन्होंने देखा।

स्मार्ट सिटी सीईओ और नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक, अधीक्षण यंत्री नीरज पांडे, महाकाल मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी, यूडीए के ईई केसी पाटीदार, शैलेंद्रकुमार जैन आदि ने जानकारियां दीं। इस दौरान स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने बताया होटल जा काम लगभग पूरा हो चुका है। केवल फाल सीलिंग का काम बचा है। काम धीमा होने के कारण ठेकेदार का ठेका भी रिबोक किया जा सकता है। सीईओ पाठक ने बताया इलेक्ट्रिक का काम करने वाली एजेंसी तैयार है, लेकिन फाल सीलिंग का काम पूरा होने का इंतजार किया जा रहा है। फाल सीलिंग होने के बाद एक से डेढ़ माह में इसे तैयार किया जा सकता है। होटल को ठेके पर दिया जाएगा। इसकी संभावना भी कलेक्टर ने देखी।

कलेक्टर बोले

यह तो बहुत प्राइम लोकेशन है...: महाराजवाड़ा भवन के पीछे से महाकाल शिखर के दर्शन कर कलेक्टर बोले यह तो बहुत प्राइम लोकेशन है। टेंडर में इस हिस्से को भी शामिल करने पर विचार किया जा सकता है। इस स्थान से शिखर दर्शन अच्छे से होते हैं।

छोटा रूद्रसागर में अनुभूति गार्डन तैयार, हैंडओवर का इंतजार...

छोटा रूद्रसागर के पास महाराजवाड़ा भवन के पीछे अनुभूति गार्डन तैयार हो चुका है। अब मेंटेनेंस आदि के लिए इसका हैंडओवर किया जाना बाकी है। कलेक्टर ने यहां से हरसिद्धि मंदिर और महाकाल मंदिर के शिखर दर्शन भी किए। परिसर में बनाई गई चार ध्यान कुटी भी देखी। बड़ा गणेश मंदिर से बनने वाली रोड की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया पंडित आनंदशंकर व्यास के मकान को हटाने का इंतजार किया जा रहा है। इसको लेकर मामला अभी कोर्ट में है। पद्मभूषण ज्योतिषाचार्य पंडित सूर्यनारायण व्यास के मकान का भी अवलोकन किया।

होटल के सामने की रोड कौन बनाएगा?

हेरिटेज होटल के सामने की रोड का काम अभी किया जाना बाकी है। इसका काम कौन करेगा, इसको लेकर अनिर्णय की स्थिति भी सामने आई है। स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने बताया इसे मंदिर प्रबंधन बनाएगा, फाइल में भी इसकी स्वीकृति है, जबकि मंदिर के अधिकारियों ने कहा यह काम स्मार्ट सिटी के अंतर्गत होगा। कलेक्टर ने रुद्रसागर पर बन रहे आर्च ब्रिज की भी जानकारी ली। अभी यह ब्रिज आधा ही बन सका है। इसका काम पूरा होने में वक्त लगेगा।

900 करोड़ से इंदौर-उज्जैन रोड होगा सिक्स लेन

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

उज्जैन-इंदौर मार्ग पर नए बनने वाले सिक्स लेन हाईवे पर करीब 900 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है। अब केवल शासन से प्रशासकीय स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

उज्जैन-इंदौर रोड अभी फोरलेन है, लेकिन आने वाले सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर इसे सिक्स लेन करने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के अनुसार एमपीआरडीसी द्वारा तैयार डीपीआर के अनुसार इसे सिक्स लेन करने पर 900 करोड़ रुपए खर्च हो सकते हैं। यह पैसा रोड बनाने वाली कंपनी को लगाना होगा। हाइब्रिड एनओटी मॉडल के तहत इसमें से 40 फीसदी राशि एमपीआरडीसी द्वारा ठेकेदार को पहले दी जाएगी। सिक्स लेन बनने के बाद शेष 60 फीसदी राशि किस्तों में 10 से 15 साल बाद दी जाएगी। नया बदलाव यह किया जा सकता है कि टोल दोनों जगह ही यथावत रखे जाएं। पहले एक ही टोल पर विचार चल रहा था।

लाइटिंग का प्रस्ताव नहीं

सिक्स लेन में लाइटिंग का अभी प्रस्ताव नहीं है। एमपीआरडीसी केवल रोड को सिक्स लेन करने पर फोकस करना चाह रहा। लाइटिंग का काम विद्युत वितरण कंपनी के माध्यम से कराया जा सकता है। रोड को उज्जैन में हरि फाटक ओवरब्रिज तक बनाया जाएगा।

मंत्री सिंह ने संभाला पदभार

डॉ. मोहन यादव सरकार की जबलपुर में कैबिनेट बैठक में शामिल होने के बाद लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भोपाल पहुंचे। उन्होंने रात 11 बजे मंत्रालय में विधिवत पूजा अर्चना के बाद पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर विभाग के अधिकार मौजूद रहे। राकेश सिंह ने पद्भार ग्रहण करने के बाद गुरुवार को विभाग की समीक्षा बैठक बुलाई। इस बैठक में सिक्स लेन योजना पर विचार की संभावना है।

मोटर पंप से खींचा जा रहा है नदी और बांध का पानी

नदी का पानी खेती के उपयोग में लिया तो होगी कार्रवाई

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

महीनों बाद अंततः जिला प्रशासन ने को पेयजल परिक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 में उपलब्ध प्रावधानों के तहत गंभीर बांध और शिप्रा नदी का पानी केवल घरेलू उपयोग के लिए संरक्षित घोषित कर दिया। अमूमन इस प्रकार की घोषणा वर्षाकाल समाप्त होने के बाद अक्टूबर- नवंबर माह में की जाती रही है मगर इस बार काफी समय गुजर जाने के बाद की है।

आदेश के मुताबिक गंभीर और शिप्रा का पानी कृषि या औद्योगिक इस्तेमाल में लेने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, नगर निगम आयुक्त रौशन कुमार सिंह ने एक दिन पहले कलेक्टर को अवगत कराया गया था कि उज्जैन शहर की आधी आबादी के लिए जल उपलब्धता का मुख्य केंद्र गंभीर बांध है, जिसके जल भराव क्षेत्र में दोनों किनारों पर स्थित गांव के किसान खेतों को सींचने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। नदी का पानी मोटर पंप से खींचा जा रहा है। 2250 मिलियन क्यूबिक फीट (एमसीएफटी)जल संग्रहण क्षमता वाले गंभीर बांध में अब केवल 1600 एमसीएफटी पानी उपलबध है। शहर की दैनिक आवश्यकता 6 एमसीएफटी की है और रीसाव एवं अन्य कारणों से औसत रोजाना 9 एमसीएफटी पानी घट रहा है।

इस हिसाब से डेड स्टोरेज का 100 एमसीएफटी पानी छोड़ दे तो शेष 1500 एमसीएफटी पानी अगले 166 दिन यानी 15 जून तक शहर में प्रदाय किया जा सकेगा। भविष्य में पानी की समस्या न हो, इसके मद्देनजर गंभीर बांध के अपस्ट्रीम में संग्रहित जल और शिप्रा में एकत्र को सुरक्षित रखने के लिए पेयजल परिरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को लागू किया जाना आवश्यक है।

गंभीर नदी क्षेत्र में उज्जैन तहसील फाजलपुरा, खरेट, नलवा, सेमदिया, असलाना, खेमासा, एरवास, कडारिया, भेरूखेडा, पारदीखेडा, अजराना, टकवासा, घटिया तहसील अंतर्गत अबोंदिया, बडवई, बडनगर तहसील अंतर्गत कंथारखेडी, बमनापाती, मतांगना, छानखेडी, खडोतिया, चिकली, भोंडोवास, ब्राहमण बडोदा, निम्बोदा, नाहरखेडी गांव शामिल है। कहा गया है कि अब नगर निगम से संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) यह सुनिश्चित करेंगे की जल का उपयोग केवल घरेलू प्रयोजन के लिए हो।

वे इसके लिए विविध तरीकों से सतत् निगरानी रखेंगे। अब निगम, राजस्व और विद्युत कंपनी का अमला दल गंभीर जलाशय का नियमित दौरा कर नदी से पानी खींच रहे अवैध मोटर पंप जब्त करेगा। इनके मालिकों पर थाने में केस दर्ज कराएगा।

राहगीरी के आनंदोत्सव मे पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

डमरू बजाकर की उत्सव की शुरुआत

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

कोठी रोड पर आयोजित किए गए 'राहगीरी आनंदोत्सव' मे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सुबह 8 बजे शामिल हुए। जिन्होंने घंटी बजाकर इस उत्सव की शुरुआत की। राहगीरी के दौरान यहां का नजारा देखते ही बन रहा था, क्योंकि एक और जहां डमरू और झांझ की धुन सुनाई दे रही थी तो वहीं भजन कीर्तन के साथ ही पारंपरिक खेल अंटी (कंचे), रस्सीकूद, बोरा दौड़, सितोलिया जैसे खेल भी खेले जा रहे थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हरियाणवी और मालवी नृत्य, गरबा, अखाड़ा प्रदर्शन, एरोबिक, योग, बॉडी बिल्डिंग, मलखंभ प्रदर्शन भी हुआ। इस आनंदोत्सव में विदेशी सैलानी भी शामिल हुए। राहगीरी के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से हेल्थ कैंप लगाया गया। नगर निगम ने स्वच्छता अभियान सेल्फी पॉइंट बनाया। झूले, मिकी माउस भी आकर्षण बने रहे। लोगों ने मालवी पकवान, केसरिया दूध, जलेबी, पोहा का लुत्फ उठाया।

राम जनार्दन मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री झाड़ू भी लगाई

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन के श्री राम जनार्दन मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किए और प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में मंदिरों में चल रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मंदिर परिसर में झाड़ू लगाई और स्वच्छता का संदेश दिया।

रेलवे ट्रेनिंग सेंटर और डोंगला तक जाएंगे मुख्यमंत्री

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अधिकारियो के साथ संकुल में मीटिंग में शामिल होने के बाद आगर रोड पर बनने वाले रेल्वे ट्रेनिंग सेंटर का भूमिपूजन करेंगे फिर नागदा और डोंगला जाएंगे। यहां के बाद वे महिदपुर के डोंगला पहुंचकर यहां वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला का अवलोकन करने के बाद शाम करीब 4:30 बजे रवाना होकर 5:30 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

डॉ. मोहन यादव ने सिर्फ एक माह के कार्यकाल में सबका 'मन मोहा'

'मध्यप्रदेश में मजदूर का बेटा नहीं रहने देगा किसी को मजबूर'

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

डॉ. मोहन यादव कहने को सिर्फ एक नाम और जानने को एक चेहरा हो सकते हैं, लेकिन इनके जीवन के इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो आप जानेंगे कि इनकी सफलता की राह में कांटे भी कम नहीं थे, जो चुभकर दर्द भी बहुत देते थे; लेकिन जब लक्ष्य जनसेवा के साथ ही प्रदेश और देश के विकास का हो, तो बड़ी से बड़ी बाधा भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती है। भारतीय जनता पार्टी का एक कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता और जनता का सच्चा सेवक मध्यप्रदेश का मुखिया बना और संकल्प लिया कि मध्यप्रदेश को न सिर्फ नयी बुलंदियों पर पहुंचाएंगे, बल्कि देश का नंबर एक राज्य भी बनाएंगे। मजदूर परिवार से आने वाले डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कार्य करते हुए अब एक महीना पूरा हो गया है, ऐसे में इसकी चर्चा भी हो रही है।

नयी सरकार और नये सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल के 30 दिन बाद मध्यप्रदेश में बड़ा बदलाव नजर आता है। बीते 30 दिनों के क्रियाकलाप को देखने पर पता चलता है कि डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लिए दमदार मुखिया साबित हो रहे हैं। यूं तो किसी मुख्यमंत्री के कामकाज का आंकलन सिर्फ एक माह में नहीं कर सकते, लेकिन मोहन यादव इस मामले में अपवाद हैं। प्रदेश में आये नये नेतृत्व के बाद सरकार और उससे जुड़े फैसलों में गति आई है।

प्रदेशवासियों ने सिर्फ एक महीने के अंदर बखूबी समझ लिया है

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता व गंभीरता को भी प्रदेशवासियों ने सिर्फ एक महीने के अंदर बखूबी समझ लिया है। गुना बस हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तत्काल गुना पहुंच जाते हैं। वह यहां पहले तो अस्पताल जाकर घायलों से मिल उन्हें हर संभव सहायता देते हुए ढांढस बंधाते हैं और हादसे में असमय काल कवलित लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद देने के बाद साथ ही घटना को लेकर विभाग के प्रमुख सचिव, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, कलेक्टर और एसपी को बिना किसी देरी के हटा भी देते हैं। आरटीओ और सीएमओ को भी सस्पेंड कर दिया जाता है। प्रदेश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जबकि एक बस हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई की हो। जनता के बीच इसे सुशासन के तौर पर भी देखा जा रहा है। प्रदेश में अब तक वल्लभ भवन, भोपाल से ही सरकार चलती थी, लेकिन नये मुखिया जी ने उस रिवाज को भी बदल दिया है। पहली आधिकारी कैबिनेट बैठक जबलपुर में आयोजित हुई। इसके साथ ही अफसरशाही पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी पहल भी गई है। एक ड्राइवर को 'औकात' दिखाने की बात करने वाले कलेक्टर को सीएम ने हटाकर यह बता दिया कि हर नागरिका का सम्मान सर्वोपरि है। डॉ. मोहन यादव ने संदेश दिया है कि कोई भी अफसर, सरकार अपने हाथ में नहीं लेंगे।

डॉ. मोहन सरकार का एक माह पूर्ण, सीएम डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली ने दिखाया सुशासन का संकल्पित रोडमैप

सिंहस्थ लोक ♦ उज्जैन

मध्यप्रदेश की नई सरकार के गठन को 1 माह पूर्ण हो गया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में प्रदेश के 19 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। 13 जनवरी 2024 को उन्होंने प्रदेश के मुखिया के रूप में अपने कार्यकाल का 1 माह पूर्ण कर लिया। इन 30 दिनों के कार्यकाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश सरकार की कार्यशैली को रेखांकित करने का काम किया है। हालांकि 30 दिन के समय में किसी भी सरकार या राजनेता के कार्यकाल का आंकलन लगाना आसान नहीं होता, लेकिन सीएम डॉ. मोहन यादव के साहसिक फैसलों, प्रशासनिक जमावट, जनकल्याण व गरीब उत्थान को प्राथमिकता एवं जनहित से जुडे कार्यों पर तत्काल निर्णय करना तथा अपराधी व दोषियों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश जैसे निर्णयों ने एक साफ-स्वच्छ और न्यायप्रिय मुखिया की छवि को भी प्रस्तुत किया है और सरकार के स्पष्ट विजन को भी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने अपने केवल 1 माह के कार्यकाल में न केवल साहसिक निर्णय लिए बल्कि अपनी स्पष्ट कार्यशैली से प्रदेश के पटल पर लंबी रेखा खींचने का काम किया है। उन्होंने प्रदेश में बेहतर सुशासन एवं कानून व्यवस्था, जनकल्याण, अपराध मुक्त प्रदेश, शिक्षण क्षेत्र में कुशल प्रबंधन, गरीब को अधिकार एवं सबको न्याय और सबका सम्मान बनाये रखने का संदेश दिया है। एक अधिकारिक बैठक के दौरान हुई अमर्यादित टिप्पणी पर उन्होंने अपनी मंशा जाहिर करते हुए कहा था कि हम अहंकार के धनी नहीं हैं, हम उस विनम्रता के सेवक हैं जिसके माध्यम से भविष्य की नई इमारत खड़ी करने के लिए निकले हैं और हम सबका सहयोग लेकर आगे बढ़ें तो मुझे भी प्रसन्नता होगी।

आर.के. डेवलपर्स
आपके लिए लाये है नई सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी
R.K. NIVAS
स्थान : मक्सी रोड, उज्जैन

वास्तविक फोटो

प्लाट साइज 480 से 1800 Sq. Ft. तक
सर्वसुविधायुक्त पूर्णत: वैध कॉलोनी
सुविधाएं :-
• कमर्शियल काम्प्लेक्स
• सभी प्लाट, मकान पूर्व एवं पश्चिम मुखी
• चौड़ी सीमेंटेड रोड
• सुरक्षित परिसर, गार्डन, ओपन जिम
• पानी की टंकी व सीसीटीवी कैमरा
• सिक्युरिटी गार्ड, बॉउंड्री वाल, मंदिर
विशेषताएं :-
• रहवासी क्षेत्र के बीच स्थित कॉलोनी
बुकिंग मात्र 11,000/-* में
RERA APPROVED
सभी राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा फाइनेंस सुविधा उपलब्ध*
*T&C Apply
मकान मात्र 14,40,000/-* से शुरुआत
Project of : Rakesh Agrawal
R.K. DEVELOPERS
305, 3rd Floor, Navkar Square, Teen Batti Chouraha, Ujjain
Developed By - ARC Developer, Architect By - Er. Sunil Uttamani (BE CIVIL)
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
प्लाट मात्र 7,68,000/-* से शुरुआत
कमल भाटिया - 93406 17725, निलेश जयसिंघानी - 62676 90789, योगेश चौरसिया - 99267 32917,
मनोज अग्रवाल- 94066 06063, जीवन सरकार - 70499 46888, संतोष - 98273 22105